अंक 3

उपचारात्मक

पत्रिका



जीवन बदलने वाली चंगाई दुनिया भर से

मुक्त

बेचा नहीं जाना चाहिए

इस मैगज़ीन के फ्री डिस्ट्रीब्यूशन के लिए हमारे पार्टनर्स ने पहले ही पेमेंट कर दिया है।

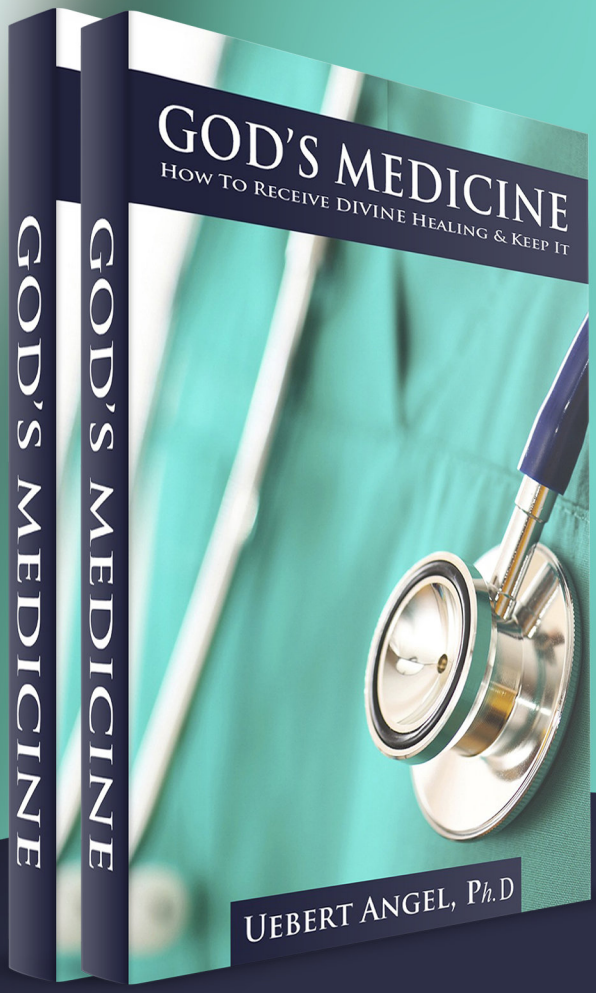
- दर्द से कठोर जीवन (p6)
- सोरायसिस से लड़ाई में मुक्ति मिलती है (p10)
- स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए शीर्ष सुझाव (p27)
- बेबी अनायाह को मौत के मुंह से ज़िंदा किया गया (p28)

भगवान की हीलिंग पावर से दुनिया को जोड़ना...

www.healinginstitute.org

प्रभु की दवा

दिव्य उपचार कैसे प्राप्त करें और उसे कैसे बनाए रखें



प्रोफेट उबर्ट एंजेल की लिखी प्रभु की दवा ठीक वैसी ही है जैसी डॉक्टर ने बताई थी, डॉ. जीसस ने। इस छोटी सी किताब में बताई गई सच्चाई प्रभु की दवा की अलमारी से, उनके वचन से मिली सामर्थ से भरी बातें हैं, जिन्हें अगर दिन में कई बार लिया जाए, ठीक वैसे ही जैसे डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन होता है, तो किसी भी चीज़ से पूरी तरह से चंगाई संभव है। यह आपकी सभी बीमारियों को ठीक करने के लिए है और कई लोगों ने इस बात की गवाही दी है कि यह उनके लिए कैसे काम करती है।

अनगिनत लोग कैंसर, बहरापन, लकवा से लेकर H.I.V और एलर्जी, स्किन की बीमारियों जैसी बीमारियों से ठीक हुए हैं... कैसे? इस किताब में दी गई सच्चाइयों का इस्तेमाल करके।

यह एक व्यावहारिक और ज़बरदस्त, "हीलिंग-मेकर" किताब है जो हर उस विश्वासी को मिलनी चाहिए जो चंगा होना चाहता है या दूसरों को दिव्य स्वास्थ्य के बारे में सिखाना चाहता है। यह एक बहुत ही आसान और सीधी निर्देश पुस्तिका है जो आपके शरीर से बीमारी को दूर कर देगी।

प्रभु की दवा ज़रूरी है! आसान, असली और चंगा करने वाली!

अपनी कॉपी ऑर्डर करें
WWW.HEALINGINSTITUTE.ORG

स्कैन कोड

HEALING INSTITUTE
with Prophet Uebert Angel

दुनिया भर में मशहूर स्पिरिट एम्बेसी की चंगाई संस्थान, बहुत सम्मानित प्रोफेट यूबर्ट एंजेल की चंगाई की सेवकाई है। हीलिंग इंस्टिट्यूट एक ऐसा ज़रिया है जिसका इस्तेमाल प्रभु देशों में लोगों की ज़िंदगी को छूने के लिए कर रहे हैं, और यह एक ऐसा ज़रिया है जिसका इस्तेमाल दुनिया को प्रभु की चंगाई की सामर्थ को दिखाने के लिए किया जाता है। यह सिर्फ़ एक दर्शन से, एक आंदोलन से, एक चर्च से कहीं ज़्यादा है, यह एक अपोकालुप्सिस है, आँखें खोलना, एक खुलासा, दुनिया को प्रभु की चंगाई के सामर्थ से जोड़ना।

प्रभु ने स्पिरिट एम्बेसी के हीलिंग इंस्टीट्यूट (चंगाई संस्थान) के ज़रिए कई खास चमत्कार किए हैं और हम उनकी महिमा के गवाह हैं।

बहुत सम्मानित प्रोफेट उबर्ट एंजेल प्रमुख कमांडर (C.I.C) और स्पिरिट एम्बेसी के हीलिंग इंस्टीट्यूट और गुडन्यूज़ वर्ल्ड के संस्थापक हैं। यह एक गतिशील , बहुमुखी वैश्विक सेवकाई है जिसने पवित्र आत्मा के काम से कई लोगों को असाधारण चमत्कार मिलते देखे हैं।

HEALINGINSTITUTE

अंदर अंक 3



6
दर्द से जकड़ी ज़िंदगी

10
सोरायसिस से लड़ाई में आज़ादी मिलती है

16
गुड न्यूज़ थाईलैंड





हेल्थ और वेलनेस के लिए 27 टिप्स

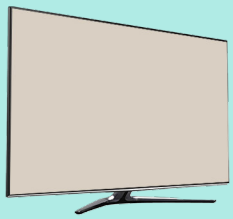
28
बेबी अनाया मरे हुओं में से जी उठी



एक प्रोफेट , टीचर, चंगाई के सेवक के तौर पर, प्रोफेट उबर्ट एंजेल उस आदेश के साथ चल रहे हैं जो उन्हें 2005 में प्रभु से एक घंटे के मुलाक़ात में मिला था। यह आदेश दुनिया को प्रभु की चंगाई सामर्थ से जोड़ने पर केंद्रित था।

उस दर्शन में परमेश्वर ने उन्हें हीलिंग इंस्टीट्यूट शुरू करने और मत्ती 10:8 के आदेश को जारी रखने का आदेश दिया, "बीमारों को ठीक करो, कोढ़ियों को शुद्ध करो, मरे हुओं को ज़िंदा करो, शैतानों को निकालो: तुमने मुफ़्त में पाया है, मुफ़्त में दो"

निश्चित रहें कि आप सही जगह पर हैं, और यह आपके लिए प्रभु की चंगाई के सामर्थ को पाने का सही समय है



चंगाई के वातावरण को देखे

दुनिया भर से जीवन को बदल देने वाले गवाहियों को देखे

यूट्यूब पर उपलब्ध है YouTube
@healinginstituetv
www.healinginstitute.tv



उनके बच्चे ने मेकोनियम निगल लिया

10 सितंबर 2023 को, कैप्टन समी नाम का एक बच्चा दुनिया में आया, एक छोटा योद्धा जो एक बड़ी गवाही के लिए बना था, लेकिन उसकी पहली सांस एक तूफान के साथ आई। जन्म के समय, डॉक्टर के शब्द बिजली की तरह गिरे: "उसने मेकोनियम निगल लिया है।"

गाढ़े पदार्थ ने उसके नाजुक फेफड़ों को भर दिया था, जिससे अंदर से ज़िंदगी की साँसें मानो घुट सी गई थीं। उसके अंग एक के बाद एक काम करना बंद करने लगे, जब तक कि अस्पताल की मशीनों की आवाज़ ही उसे ज़िंदा रखने वाली अकेली आवाज़ नहीं रह गई।

तीन अलग-अलग लाइफ़-सपोर्ट सिस्टम उसके और अनंतकाल के बीच खड़े थे। डॉक्टरों के लिए, बचने का 50/50 सम्भावना थी लेकिन स्वर्ग के लिए, यह महिमा का मौका था। उसकी माँ याद करती है, "ऐसा लग रहा था जैसे ज़िंदगी खुद एक धागे पर लटकी हो," "लेकिन तब भी, मुझे तूफ़ान के बीच से विश्वास की फुसफुसाहट महसूस हुई।"

उन बेचैन घंटों में, जब हवा डर से भरी हुई थी, एक दिव्य जीवन रेखा दिखाई दी – गुडन्यूज़ डेली भक्ति। एक खास पेज अंधेरे को चीरता हुआ दिखा: "तुम्हारे शब्दों की शक्ति" – नीतिवचन 18:21 में लिखा है, "मृत्यु और जीवन जीभ की शक्ति में हैं।"

वह प्रकाशन कागज़ पर स्याही से कहीं ज़्यादा था, यह आधी रात के आसमान से निकलती रोशनी थी। उस पल, माँ को एहसास हुआ कि उसके शब्द बेबस चीखें नहीं थे, बल्कि सृष्टि के हथियार थे। "मैंने डॉक्टरों की कही बातें दोहराना बंद कर दिया और कहना शुरू कर दिया

जो प्रभु ने कहा। मैंने जीवन के बारे में कहा, मैंने पुनर्स्थापना की प्रप्ति होने के बारे में कहा, और मैंने चंगाई होने के बारे में कहा, जब तक कि मेरी आवाज़ उस वार्ड की मशीनो से ज़्यादा तेज़ नहीं गूंजी।" हर दिन, वह हीलिंग इंस्टीट्यूट के अफरमेशन (पुष्टीकरण) और घोषणाओं में डूब जाती थी, जो प्रोफेट उबर्ट एंजेल सिखाते थे। वह यूट्यूब और फेसबुक पर चँगे होने के गवाहियों को देखती थी, उनका विश्वास उन लोगों के गवाहियों से और बढ़ता था जिन्होंने विश्वास करने की हिम्मत की थी।

"मैंने सिर्फ़ पढ़ा नहीं – मैंने कहा। मैंने सिर्फ़ उम्मीद नहीं की – मैंने विश्वास किया," उन्होंने कहा।

बोला गया हर शब्द ताकत का बीज बन गया, और हर घोषणा स्वर्ग की चंगाई की ध्वनि का एक सुर बन गई। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, तूफ़ान शांत होने लगा। अस्पताल के साफ़-सुथरे गलियारों के बीच, वह रोशनी की एक किरण बन गई, दूसरी माँओं के साथ गुडन्यूज़ डेली, चंगाई की घोषणाओं को और प्रोफेट की शिक्षाएँ बांटने लगी। जहाँ डर का राज था, वहाँ विश्वास बढ़ने लगा। "मैं उम्मीद की एक किरण बन गई, उन्हीं घोषणाओं को दोहरा रही थी जो मेरे बेटे की हालत बदल रही थीं।"

फिर 5 अक्टूबर आया – जिस दिन प्रभु का फैसला आया। हफ्तों की उलझन के बाद, डॉक्टर हैरान रह गए। बच्चे समी का स्वस्थ सुधार न सिर्फ़ तेज़ था, बल्कि यह बहुत असाधारण थी। फेफड़े जो कभी मेकोनियम से भरे हुए थे, अब आसानी से सांस ले रहे थे। जो बच्चा लाइफ़ सपोर्ट पर बिना हिले-डुले पड़ा था, अब वह किलकारियां भर रहा था, लात मार रहा था और मुसकुरा रहा था। चिकित्सा विज्ञान के पास कोई जवाब नहीं था, लेकिन विश्वास के पास हर जवाब था।

"डॉक्टर उसकी स्वस्थ सुधार की तेज़ी और पूर्णता को देखकर हैरान थे। उनके पास कोई शब्द नहीं थे – लेकिन मेरे पास एक था: 'जीसस!' उन्होंने हिम्मत से कहा।

आज, बच्चा कैप्टन समी सेहत की एक जीवंत, चमकती हुई तस्वीर है, वचन की ताकत का जीता-जागता सबूत। वह अब गुडन्यूज़ डेली की ओर इशारा करता है और परिवार को इसे पढ़ने की याद दिलाता है। अपनी मासूमियत में भी, वह अपने काम से बताता है कि जब आप वचन पर काम करते हैं तो वचन आपके लिए काम करता है।

जो दुखद घटना के तौर पर शुरू हुआ, वह गवाही बन गया। जो निराशा के तौर पर शुरू हुआ, वह प्रभु का दिव्य प्रदर्शन बन गया। कैप्टन समी का नाम अब इस बात की घोषणा के तौर पर गूंजता है कि विश्वास से भरे शब्दों में खुद प्रभु की सांस होती है। यह सच है कि, "जब बाइबिल वचन आपकी भाषा बन जाते हैं, तो चमत्कार जीवन की शैली बन जाते हैं।" – प्रोफेट यूबर्ट एंजेल, जैसा कि समी की मां ने कहा था;



"मैं प्रभु का इस आखिरी काल के प्रोफेट के तोहफ़े के रूप में प्रोफेट उब्रेर्ट एंजेल को देने के लिए, जो मेरे आत्मिक पिता है, प्रभु का शुक्रिया अदा करती हूँ। उनकी शिक्षाओं, घोषणाओं और हीलिंग इंस्टीट्यूट के ज़रिए, मैंने चमत्कार देखा। वचन सच में तब काम करता है जब आप उसे बोलते हैं, उस पर विश्वास करते हैं और उसे जीते हैं।"

अस्पताल के वार्ड से लेकर घरों तक, देशों से लेकर मोहल्लों तक, ये चमत्कार इस बात की गवाही देते हैं कि वही यीशु जिसने गलील में चंगा किया था, आज भी चंगा करते है।





दर्द से जकड़ा हुआ जीवन

तीन साल तक, भाई चैंप ऑफसि सड्रिोम नाम की एक दर्दनाक बीमारी के साथ रहे, जो आजकल कंप्यूटर स्क्रीन पर लंबे समय तक काम करने और कभी न खत्म होने वाले काम से पैदा होती है।

दनि-ब-दनि, वह बनिा आराम कएि अपने कंप्यूटर के सामने बैठा रहता था, जब तक कि उसकी गर्दन अकड़ नहीं गई और उसकी हरकतें पत्थर की तरह जम नहीं गईं। सरि घुमाना एक मुश्कलि काम बन गया था। दर्द तेज़, लगातार और कभी न खत्म होने वाला था – उसकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में एक भारी ज़ंजीर सी थी।

"मैं अपनी गर्दन को बाएं से दाएं नहीं हलिा पा रहा था। दर्द बर्दाश्त से बाहर था।" – ब्रदर चैंप।



भगवान की दवा
पैगंबर
उएबर्ट एंजेल द्वारा

ऑर्डर करने के लिए उपलब्ध
www.healinginstitute.org

जो हल्की तकलीफ़ से शुरू हुआ था, वह एक ऐसी यातना में बदल गया जसिने उसका चैन छीन लयिा। वह अब मीटगि में नहीं बैठ सकता था या प्रेजेंटेशन नहीं दे सकता था। थोड़ी देर की राहत पाने के लिए, वह खड़ा होता और घूमता, उम्मीद करता कि दर्द कम हो जाएगा लेकनि राहत ज़्यादा देर तक नहीं टकिती थी।

जब भाई चैंप ने सुना कि प्रोफेट उबर्ट एंजेल थाईलैंड आ रहे हैं, तो उनके अंदर कुछ उछल पड़ा। उन्हें पता था कि यह बस एक और दौरा नहीं था; यह उनके लिए चंगाई का पल था।

उन्होंने कहा, "जब मैंने सुना कि प्रोफेट थाईलैंड आ रहे हैं, तो मुझे पता था कि मैं चंगा हो जाऊंगा।"

वह दनि आ गया, और जैसे ही प्रभु के प्रोफेट ने कमरे में प्रवेश कयिा,

माहौल बदल गया। हवा में परमेश्वर की मौजूदगी और महिमा का एहसास हो रहा था।

जब प्रोफ़ेट उबर्ट एंजेल ने उस पर हाथ रखा, तो डर और विश्वास एक पवित्र पल में टकरा गए। प्रोफ़ेट ने धीरे से लेकिन मज़बूती से कहा, "मेरी आँखों में देखो।" जैसे ही चैंप ने बात मानी, उसने कुछ ऐसा देखा जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता – प्रभु की महिमा उनके प्रोफेट की आँखों से झलक रही थी। फिर, दिव्य शक्ति की एक चमक में, उसने महसूस किया कि उसके सिर के ऊपर से लेकर पैरों के तलवों तक उसके पूरे शरीर में एक लहर दौड़ गई है। ऐसा लगा जैसे रोशनी उसके शरीर में घुस गई हो, और दर्द का हर निशान मिटा दिया हो।

"मैं सामर्थ के अधीन गिर गया, और मुझे लगा कि मेरे सिर से पैर की उंगलियों तक कुछ हिल रहा है। दर्द पूरी तरह से गायब हो गया!" उसने गवाही दी।

जब उसने अपनी गर्दन उठाई, जो कभी पत्थर की तरह अकड़ गई थी, वह आज़ाद हो चुकी थी। उसने उसे बिना किसी मेहनत के बाएं, दाएं, ऊपर और नीचे घुमाया। जिस दर्द ने उसे सालों से जकड़ रखा था, वह एक पल में चला गया।

तीन साल की तकलीफ़ और डॉक्टर की सलाह से जो ठीक नहीं हो सका, उसे प्रभु की मौजूदगी में एक पल ने पूरा कर दिया। इलाज धीरे-धीरे नहीं हुआ, बल्कि तुरंत, पूर्ण और हमेशा के लिए हुआ।

आज, भाई चैंप आज़ादी से घूमते हैं, खुशी से काम करते हैं, और बिना दर्द के जीते हैं। वह इस बात का जीता-जागता सबूत हैं कि यीशु मसीह अपने सेवक, प्रोफेट उबर्ट एंजेल के ज़रिए बीमारों को ठीक करते हैं।

"मैं प्रॉफ़ेट उबर्ट एंजेल का इस्तेमाल करने के लिए प्रभु का शुक्रिया अदा करता हूं। थाईलैंड आने के लिए धन्यवाद, सर," – ब्रदर चैंप

हंसने के शारीरिक और मानसिक फ़ायदे

- तनाव के होर्मोन का स्तर कम होता है
- व्याकुलता या घबराहट की भावना कम होती है
- ब्लड प्रेशर कम होता है।
- तनावपूर्ण स्थिति को कम करता है
- एंडोर्फिन का स्तर बढ़ाता है
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकता है
- डिप्रेशन के दौरे कम करता है

नीतिवचन 17:22
मन का आनन्द अच्छी औषधि है





एक माँ की मुक्ति की कहानी

कोई भी माँ कभी नहीं सोचती कि उसके नवजात शिशु का पहला रोना आखिरी रोना भी हो सकता है।

मोरब्लेसिगि के लिए, जो उसकी ज़िंदगी का सबसे खुशी का मौसम था, वह तेज़ी से उस सबसे अंधेरी घाटी में उतर गया जिससे वह कभी गुज़री थी।

इसकी शुरुआत 2023 में एक डरावने सपने से हुई, जब वह गर्भवती थी। उसमें, उसने एक चिड़िया को इंसानी रूप में बदलते देखा, जिसने डरावने अंदाज़ में कहा, "हमें बच्चा दे दो ताकि हम उसे खा सकें।" हालांकि यह चौंकाने वाला था, लेकिन उसने सपना नकार कर अपनी ज़िंदगी जी। महीनों बाद जब उसका बच्चा पैदा हुआ, तो हवा में खुशी भर गई, जब तक कि कुछ ऐसा नहीं हुआ जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था। लगातार बच्चा रो पड़ा

बुखार हो गया, और एक घंटे के अंदर, हमेशा के लिए खामोश हो गया। डॉक्टर की कोशिशें बेकार गईं, अब और कुछ नहीं किया जा सकता था। नया जन्मा बच्चा जा चूका था। परिवार और दोस्तों से बधाई के मैसेज आने लगे; इस दुखद घटना से अनजान, मोरब्लेसिगि चुपचाप बैठी रहीं, अपनी बाहों में अपने बच्चे के बेजान शरीर को थामे हुए थीं। जिस कमरे में हंसी और लोरियां होनी चाहिए थीं, वह दुख और धीमी सिसकियों की आवाज़ से भरा हुआ था।

दर्द बहुत गहरा और बर्दाश्त से बाहर था। अब सपने का डरावना मतलब समझ आ रहा था। डर और दुख से परेशान होकर, उसने मन ही मन कसम खाई कि वह दोबारा कभी कोशिश नहीं करेगी।

एक शब्द जिसने आशा को फिर से जगाया

महीनों बाद, दिसंबर 2023 में उन्हें फिर से उम्मीद मिल गई। एक्सोडस नाइट सर्विस के दौरान, जो राह प्रोफेट उबर्ट एंजेल की अगुवाई में हुई थी, प्रभु के दास ने कहा: "जो लोग बच्चे पैदा करना चाहते हैं, वे जाएं और बच्चे पैदा करें।"
उसके मन में कुछ गहराई से हलचल हुई। विश्वास के उस पल में, मोरब्लेसिंग ने अपने पति की ओर मुड़कर पूरे यकीन के साथ कहा, "मैं अभी हमारे बच्चे से गर्भवती हूँ।" उसे हैरानी हुई कि वह उसी महीने गर्भवती हो गई। छह महीने बीतने पर, राह ने व्यक्तिगत रूप से उस पर भविष्यवाणी की सेवा की। जैसे ही उन्होंने उस पर हाथ रखा, उन्होंने कहा:
"मैं तुम्हारे पहले बच्चे के साथ जो हुआ उसे रद्द करता हूँ। मैं देख रहा हूँ कि यह दोहराने की कोशिश कर रहा है लेकिन यह कामयाब नहीं होगा।"
ये शब्द उसके लिए सहारा बन गए। हालाँकि डर ने कुछ और फुसफुसाने की कोशिश की, लेकिन वह उस भविष्यवाणी पर टिकी रही, यह मानते हुए कि प्रभु का वचन ही आखिरी फैसला होगा।

जब युद्ध ने वापसी की कोशिश की

जब प्रसव का समय आया, तो सब कुछ एकदम सही लग रहा था। उसका बच्चा स्वस्थ और ज़िंदादिल पैदा हुआ। कुछ घंटों बाद तक उसे राहत मिली, जब उसी बीमारी के लक्षण जिसने उसके पहले बच्चे की जान ली थी, दूसरे बच्चे में भी दिखने लगे; तेज़ साँस, बुखार और दूध पीने में दिक्कत। पहले बच्चे को खोने की यादें ताज़ा हो गईं, लेकिन इस बार, उसने डर के आगे झुकने से मना कर दिया। डॉक्टरों ने नए जन्मे बच्चे को प्रारंभिक नवजात सेप्सिस बताया।

यह एक जानलेवा संक्रमण है जो जन्म के पहले 24 से 72 घंटों के अंदर होता है। उसने अपने बच्चे के ऊपर कही गई बातें कहना शुरू किया:
"मैं मौत की हर योजना रद्द करती हूँ। मेरा बच्चा ज़िंदा रहेगा और मरेगा नहीं।" हालाँकि डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की, लेकिन संक्रमण बिना किसी वजह के बना रहा। विश्वास के साथ, मोरब्लेसिंग ने राह की दी हुई अपना अभिषेक का तेल निकाला, दिल से प्रार्थना की, और अपने बच्चे का अभिषेक किया।

ग्यारहवें दिन, बुखार के बावजूद, डॉक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया और पुष्टि किया कि बच्चा अब पूरी तरह से स्वस्थ है। डॉक्टर अचानक हुए इस बदलाव को समझा नहीं पाए, लेकिन मोरब्लेसिंग जानती थी। उसने प्रभु का हाथ काम करते देखा था।

परमेश्वर की वफ़ादारी का जीता जागता सबूत

आज, वह कभी नाज़ुक बच्चा एक ज़िंदादिल, खुशमिजाज़ बच्चा है जो हँसी, ज़िंदगी और रोशनी से भरा है। हर हँसी, हर छोटा कदम, और बोला गया हर शब्द इस बात का जीता-जागता सबूत है कि प्रभु आज भी चमत्कार करते हैं।

जो एक दुखद घटना के तौर पर शुरू हुआ था, उसे जीत के तौर पर फिर से लिखा गया। प्रभु ने उसके दुख को नृत्य में और उसके आँसुओं को आनंद में बदल दिया। दुश्मन जो तबाही के लिए सोच रहा था, वह प्रभु की जीत का मंच बन गया। इन सबके ज़रिए, मोरब्लेसिंग ने सीखा है कि प्रभु का एक शब्द पूरी तकदीर को फिर से लिख सकता है। पीछे मुड़कर देखने पर, उसे सिर्फ़ कृपा ही दिखती है, वह कृपा जो खोई हुई चीज़ों को वापस लाती है, बचाती है, और फिर से ज़िंदा करती है। सारी महिमा प्रभु की है, और उस भविष्यवाणी के वचन की है जिसने मौत की जंज़ीरो को तोड़ा।





सोरायसिस से लड़ाई में मुक्ति मिली

पंद्रह साल तक, NGONI MABVIKO ने एक ऐसी लड़ाई लड़ी जिसे कुछ ही लोग देख सकते थे। बत्तीस साल की उम्र में भी, वह अब भी अपनी स्कूल यूनिफॉर्म की स्टार्च की महक महसूस कर सकता है। अपनी लंबी आस्तीन वाली शर्ट पर गर्मी की चुभन महसूस कर सकता है और ब्लीच किए हुए पट्टी की खरोंच महसूस कर सकता है जब नए घाव खुलते हैं और पुराने भी फिर से खुलते हैं। जो उसकी किशोर अवस्था में एक मामूली खुजली के तौर पर शुरू हुआ था, वह जल्द ही एक बेरहम घुसपैठिया बन गया, उसकी त्वचा उसके खिलाफ हो गई थी – खून बह रहा था, जल रहा था, और हर सांस के साथ उसे धोखा दे रहा था।

नगोनी याद करते हुए कहते हैं, "मैं स्कूल में इसलिए फेल नहीं हो रहा था क्योंकि मैं बुद्धिमान नहीं था। मैं इसलिए फेल हो रहा था क्योंकि मुझे शांति नहीं मिल रही थी।"

डॉक्टर आते-जाते रहे, हर रोग-निदान अंधेरे में तीर चलाने जैसा था। क्रीम, मलहम और स्टेरॉयड कुछ देर के लिए शांति देते थे, लेकिन इलाज नहीं। उसकी त्वचा एक जंग का मैदान बन गई – हर आईना उसकी बीमारी की दर्दनाक याद बन गया। कक्षा बेइज्जती का मंच बन गया, दोस्ती टूट गई, और प्यार एक ऐसी सुख-विलासिता बन गया जिसे संभालना बहुत मुश्किल था।
उन्होंने कहा, ''मैंने सबसे गर्म दिनों में भी खुद को पूरी तरह से ढक रखा था।''

"मैं नहीं चाहता था कि लोग मुझे देखें। मैंने बाहर जाना बंद कर दिया। मैंने जीना बंद कर दिया।" उसकी लड़ाई शांत थी, लेकिन उसकी तकलीफें चीख रही थीं।

फिर जुलाई 2024 आया, और हालात बदल गए। अपनी बहनों के ज़रिए, नगोनी को प्रोफेट उएबर्ट एंजेल और हीलिंग इंस्टीट्यूट से परिचय करवाया गया। नगोनी ने चमकती आँखों से कहा, "जब प्रोफेट ने मेरे लिए प्रार्थना की - तो मैं इसे समझा नहीं सकता – लेकिन कुछ बदल गया।" उसी रात, पंद्रह साल की तकलीफ़ के बाद, खुजली बंद हो गई। जलन कम हुई और वह रात भर एक बच्चे की तरह सोया। वह सुबह शांति से उठा, जो की राह की प्रार्थना से पहले उसकी ज़िंदगी में एक महंगी सुख बन गई थी।

यह दस साल से ज़्यादा समय में उनकी पहली चैन की नींद थी। उन्होंने कहा, "ऐसा लगा जैसे कोई भारी चीज़ मानो उठ गई हो।" बदलाव सुबह की रोशनी की तरह आया। घावों का गुस्से वाला लाल रंग हल्का होकर शांत हो गया। पपड़ी गायब हो गई। जो हाथ उन्होंने कभी छपिाए थे, वे अब आज़ादी से सूरज की ओर बढ़ रहे थे। उन्होंने फरि से छोटी आस्तीन के कपड़े पहने। वे तस्वीरों में मुस्कुराए। उन्हें नौकरी मलि गई। वे ज़िंदगी में वापस आ गए। जो दवा सालों से ठीक नहीं कर पाई थी, उसे वशि्वास ने कुछ ही दनिों में पूरा कर दयिा। नगोनी की कहानी सरि्फ शरीर को ठीक करने की नहीं है। यह मकसद, खुशी और खुद की तक़दीर को फरि से जगाने की कहानी है।

चकित्सिा की भाषा में, सोरायससि को एक स्थाई, इम्यून ससि्टम (रोग प्रतरिोधक क्षमता) से होने वाली त्वचा की बीमारी माना जाता है, जसिमें रोग प्रतरिोधक क्षमता त्वचा के सेल के बनने की क्षमता को तेज़ कर देता है, जसिसे मोटी, पपड़ीदार परत बन जाती हैं। जबकि पारंपरकि इलाज जैसे कॉर्टकिोस्टेरॉइड्स, फोटोथेरेपी और बायोलॉजकि्स – लक्षणों को ठीक कर सकते हैं, उनमें से कुछ ही त्वचा के नीचे की थकी हुई आत्मा तक पहुँच पाते हैं। हीलगि इंस्टीट्यूट में, नगोनी ने वह खोजा जो दवा नहीं नुसख़ा दे सकती थी: अंदरूनी और बाहरी दोनों तरह का इलाज।

नगोनी की चंगाई ने दृश्य और अदृश्य के बीच की खाई को पाट दयिा। यह प्रभु की शक्ति और अनुशासति देखभाल का मलिन बदिु था – वह चौराहा जहाँ स्वर्ग का स्पर्श इंसानी वज्ञिान से मलिा। *जब वशि्वास कमरे में आता है, तो सीमाएं चली जाती हैं," प्रोफेट उबर्ट एंजेल अक्सर कहते हैं।





दिव्य चंगाई की पुष्टि

प्रोफेट उबर्ट एंजेल से

प्रभु की खुशी ही मेरी ताकत है। मैं कभी कमज़ोर नहीं होऊँगा, वह खुशी मेरी आत्मा में गहरी हँसी पैदा करती है, जिससे मेरी सेहत खिलती और बढ़ती है। कोई भी चीज़ मुझे दबा नहीं सकती। उदासी, बीमारी, दर्द या खलबली मेरा हिस्सा नहीं हैं क्योंकि मैं बयान से बाहर आनंद और महिमा से भरा हुआ हूँ!

मेरे खिलाफ बनाया गया कोई भी हथियार कामयाब नहीं होगा। मैं परमेश्वर के वचन से मज़बूत हूँ। मैं कभी न टूटने वाला, अटल और स्थिर हूँ। बीमारी और रोग मुझे छू भी नहीं पाएँगे, बल्कि ज़मीन पर खोखले गिर जाएँगे।

चंगाई आसान है, इसलिए मैं आज इसे अपनी ज़िंदगी में, मेरे अस्तित्व के हर रेशे और अपने शरीर के हर कोशिका में, यीशु के पवित्र नाम में घोषित करता हूँ!

आज, विश्वास से, मैं उस दिव्य स्वास्थ्य में जीना चुनता हूँ जो प्रभु ने मेरे लिए तय किया है। मैं ग्लूकोमा, मोतियाबिंद, कंजंक्टिवाइटिस, निकट दृष्टि दोष, और मेरी आँखों को अंधा करने वाली किसी भी बीमारी को विराम लगाता हूँ। यीशु के नाम पर मेरी आँखों की रोशनी पूर्ण और उत्कृष्ट स्वस्थ में बहाल हो रही है।

बीमारी और रोग की वेदियां मेरे लिए प्रभु की बनाई भविष्य में मेरी जीत का रास्ता देंगी। मैं प्रभु की आग को आज्ञा देता हूं कि वह हर उस बुरी वेदि को भस्म कर दे जो मेरी सेहत से लड़ती है। आज, त्वचा की बीमारियों, दिल की बीमारी, अंगों का विफलता और मेरे शरीर को खराब करने वाली किसी भी दूसरी दुर्बलता की पकड़ मेरी ज़िंदगी से हमेशा के लिए टूट गई है। आमीन।

मैंने अपने बच्चों पर दुश्मन के योजना पर रोक लगा दी है। मैं ऑटिज़्म के किसी भी संकेत और लक्षण के खिलाफ बोलता हूँ। मैं प्रभु की रिपोर्ट के खिलाफ किसी भी रिपोर्ट का इंकार करता हूँ। मेरे बच्चे उत्तम, उत्कृष्ट, बुद्धिमान हैं, और बाकियों से अलग हैं। यीशु के नाम पर उन्हें दिव्य स्वास्थ्य मिले!



बांझपन और गर्भपात अब पुरानी बात हो गई है। मैं पूरी तरह से पूर्ववस्था की परिपूर्ति और प्रतिफल के साथ एक नई ज़िंदगी जी रही हूँ। मैं फलवंत हूँ, और यीशु के नाम पर बिना किसी दिक्कत के अपनी सभी गर्भावस्था को पूरा समय तक ले जाती हूँ।

यीशु मसीह मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता हैं। जब वे मरे, तो मैं भी मर गया। जब उन्हें दफनाया गया, तो मैं भी उनके साथ दफनाया गया। अब जब वे जी उठे हैं, तो मैं भी उनके साथ जी उठा हूँ, उस पुनरुत्थान जीवन के साथ जो पाप, बीमारी, रोग और मृत्यु से प्रतिरोधी है। परमेश्वर की जय हो!

मेरे शब्द किसी भी दोधारी तलवार से ज़्यादा तेज़ हैं। उनमें कष्ट, बीमारी और रोग को दूर करने की शक्ति है। अभी, मैं अपने शरीर से जुड़ने की कोशिश कर रही किसी भी त्वचा की बीमारी, त्वचा की स्थिति या तकलीफ़ को दूर करता हूँ। यीशु के नाम पर यह कभी वापस नहीं आएगा!

इब्रानियों 4:12 "क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और शक्तिशाली, और किसी भी दोधारी तलवार से भी अधिक तेज़ है, जो प्राण और आत्मा को, और जोड़ों और गूदे को अलग करके छेदता है, और हृदय के विचारों और इरादों को जांचता है।"

मैं नदी के किनारे लगाए गए खजूर के पेड़ की तरह तेज़ी से फलता-फूलता हूँ, हमेशा हरा-भरा और हमेशा ताज़ा। मेरी सेहत में, मैं फलता-फूलता हूँ। मेरी हड्डियों में, मैं फलता-फूलता हूँ। मेरी ज़िंदगी के सभी हिस्सों में, मैं फलता-फूलता हूँ। प्रभु की जय हो!

मैं प्रभु का हूँ और मुझे अनंत जीवन मिली है जो कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और किसी भी तरह की बीमारी पर काबू रखती है। कोई भी वायरस मेरे शरीर को बर्बाद नहीं करेगा, कोई भी कमज़ोरी मेरे शरीर में पनाह नहीं लेगी। मैं अच्छी सेहत और शांति के साथ बहुत कृपा से भरा जीवन जीता हूँ, जो मेरे होने का आधार है। प्रभु की महिमा हो!

मेरे गुनाहों की वजह से मसीह को घायल किया गया, उनके कोड़ों से हम सब चँगे हुए। जो बातें मुझे पहले परेशान करती थी, अब मुझ पर उनका असर खत्म हो गया है, क्योंकि मैं सच में चंगा हो गया हूँ। अब कोई बीमारी या रोग नहीं। मैं सच में यीशु मसीह के बेमिसाल नाम से ठीक हो गया हूँ।

यीशु मसीह महान डॉक्टर हैं। उनका वचन अपने स्वभाव में काफ़ी और बिना गलती का है। उनका वचन मेरे शरीर को चंगा कर रहा है और यह यीशु की गारंटी है, हालेलुयाह !

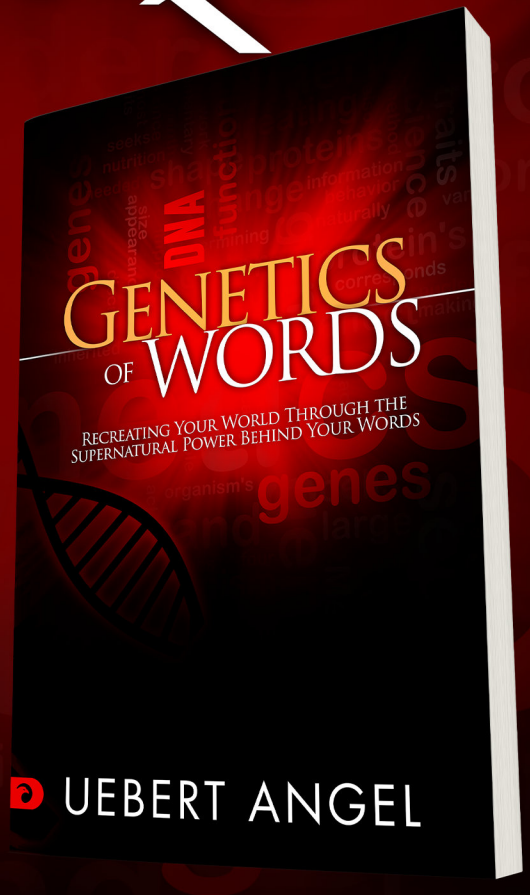
मैं आज्ञा देता हूँ और ऐलान करता हूँ, मैं नहीं मरूँगा। इस साल, कोई कब्र मुझे नहीं ले जाएगी, कोई मौत मुझे नहीं ले जाएगी। मैं प्रभु के वचन की घोषणा के लिए जीऊँगा। मुझे यीशु के नाम पर लंबी उम्र दी गई है। आमीन।

भजन 118:17 "मैं न मरूंगा, परन्तु जीवित रहूंगा, और यहोवा के कामों का वर्णन करूंगा"

प्रभु मेरे चंगा करने वाले हैं। कोई भी चीज़ मुझे हटा या हिला नहीं सकती। मेरे जीवन का हर हिस्सा सुरक्षित है, और मेरे शरीर का हर हिस्सा यीशु के नाम पर स्वस्थ है!

आनुवंशकी का शब्दों

इस ज़मीन हलिा देने वाली कतिाब, GENETICS OF WORDS में, दुनयिा भर में मशहूर प्रोफेट और आध्यात्मकि खोजकर्ता यूबर्ट एंजेल, इस रहस्य को खोलते हैं कि कैसे दविय शक्तिस्वर्ग में नहीं, बल्कि आपके DNA में एन्कोड की गई है।



आप कभी आम नहीं थे, वज्ञिान इसे "जंक DNA" कहता है। स्वर्ग इसे ईश्वरीय डज़िाइन कहता है। प्रोफेट एंजेल बहुत अच्छे से दखिाते हैं कि कैसे रोशनी, आवाज़, भाषा और फ़्रीक्वेंसी आपकी आत्मा में एक-दूसरे से जुड़ते हैं, और कैसे आपके बोले गए शब्द असल में असलयित को रीप्रोग्राम करते हैं। मेटाफ़रकिली नहीं, बल्कि असल में, मॉलक्यिूलर लेवल पर।

अपनी कॉपी ऑर्डर करें
WWW.UEBERTANGEL.ORG/BOOKS
या कोड स्कैन करें

आपकी उपचार कक्षा

14-दिवसीय उपचार कार्यक्रम | आपके नए बनने का रास्ता

क्या आप बहुत ज्यादा परेशान, अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, या आत्मिक रूप से खुद को नया करने की ज़रूरत महसूस कर रहे हैं? 14-दिन का चंगाई प्रोग्राम आपके बदलाव का दरवाज़ा है। आपको कदम दर कदम मार्गदर्शन करने के लिए बनाया गया यह प्रोग्राम आपका विश्वास फिर से जगाएगा, उम्मीद जगाएगा, और दिव्य चंगाई लाएगा। रोज़ाना आत्मिक व्यायाम , प्रेरणा देने वाली शिक्षाओं, और व्यावहारिक उपकरण के लिए ऑनलाइन जुड़ें जो प्रभु के साथ आपके संबंध को गहरा करते हैं और आपकी पूर्णता की यात्रा को मज़बूत बनाते हैं।

कंही से भी जुड़े कंप्यूटर या मोबाइल के माध्यम से





रोज़ाना आत्मिक व्यायाम, प्रेरणा देने वाली शिक्षाओं और काम के तरीकों के लिए ऑनलाइन जुड़ें, जो प्रभु के साथ आपके जुड़ाव को गहरा करते हैं और आपकी पूर्णता की यात्रा को मज़बूत बनाते हैं।

इसका हिस्सा कैसे बनें

1. विज़िट करें:: www.healinginstitute.org/register
2. REGISTER NOW पर क्लिक करें
3. रजिस्ट्रेशन फ़ॉर्म भरें
4. अपने डिवाइस पर प्रोग्राम प्रवेश करें
5. सहायता, मार्गदर्शन और संबंध के लिए हीलिंग इंस्टीट्यूट कम्युनिटी से जुड़ें





शुभसन्देश थाईलैंड

बैंकॉक एक ऐसा शहर है जहाँ दूसरी धर्मों की तुलना में ईसाई धर्म की आवाज़ बहुत धीमी है—यहाँ बौद्ध धर्म 93.95%, इस्लाम 4.18% और ईसाई धर्म सिर्फ़ 1.68% है। ऐसे माहौल में चमत्कार की उम्मीद करना मुश्किल था। यहाँ अलौकिक शक्तियों में विश्वास बहुत कम था, और लोगों के विश्वास करने—या ईश्वरीय चंगाई पाने—की संभावना न के बराबर लगती थी; फिर भी, स्वर्ग को बस एक खुले दरवाज़े की ज़रूरत थी।

22 से 24 नवंबर 2024 तक, रामा 9 रोड पर स्थित 'ब्राइट रोमांस चर्च' वही दरवाज़ा और शहर के बीचों-बीच एक जलती हुई वेदी बन गया। वहाँ जो हुआ, उसने सारे आँकड़ों को गलत साबित कर दिया और शक करने वालों की बोलती बंद कर दी। सड़कों पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा, पूजा-अर्चना की आवाज़ें गूँज उठीं और हवा में एक उम्मीद छाई हुई थी। फिर, ऐसा लगा जैसे स्वर्ग खुद थाईलैंड के करीब आ गया हो और चमत्कार होने लगे—ये चमत्कार कोई दुर्लभ घटना नहीं, बल्कि साँस लेने जितनी स्वाभाविक प्रक्रिया बन गए।

पैगंबर यूबर्ट एंजेल के हाथों के ज़रिए, पवित्र आत्मा ने अद्भुत शक्ति के साथ काम किया। लंगड़े चलने लगे, अंधे देखने लगे और बीमार लोग चंगे हो गए। तीन अविस्मरणीय दिनों तक, बैंकॉक ने वह सब देखा जिसे बहुत से लोग असंभव मानते थे। पैगंबर यूबर्ट एंजेल के परमेश्वर ने शहर और देश, दोनों पर एक गहरी छाप छोड़ी। जो लोग कभी दर्द और बोझ लेकर आए थे, वे आज़ादी के साथ नाचते हुए लौटे, और जिन लोगों को शक था, वे विश्वास के साथ वापस गए।

वहां मौजूद कई चिकित्सा पेशेवर बस हैरानी से देख रहे थे। एक डॉक्टर ने बाद में धीरे से कहा, "मैं एक शंका करने वाले के तौर पर आया था; आश्वास्थ हो कर जा रहा हूं। कोई भी दवा इतनी तेज़ी से काम नहीं करती।"। HIV को दोबारा मेडिकिल देखरेख में जाँचा गया और कई बार इसकी पुष्टि किए गए। हीलिंग इंस्टीट्यूट ने तब से रिपोर्ट को एक सबूत के तौर पर संभाल कर रखा है – एक ऐसा तरीका जो विश्वास और ज़िम्मेदार दस्तावेज़ीकरण दोनों का सम्मान करता है।

ब्राइट रोमांस चर्च की दीवारों से भी आगे चमत्कारों की लहरें उठीं। म्यांमार, सिंगापुर और भारत भर के दर्शकों से गवाही की बाढ़ आ गई, कई लोगों ने बताया कि ऑनलाइन देखते ही तुरन्त चँगे होने लगा। दर्द गायब हो गया, सूजन गायब हो गई, और ताकत वापस आ गई। दूरी अनुग्रह के लिए कोई रुकावट साबित नहीं हुई।

गुडन्यूज़ थाईलैंड सिर्फ़ एक क्रूसेड से कहीं ज़्यादा था, यह एक दिव्य दर्शन था। चमत्कार हैरान करने वाले थे, लेकिन सबसे बड़ा आश्चर्य दिलों का बदलाव था। परिवार फिर से बस गए, विश्वास फिर से जाग उठा, और अनगिनत ज़िंदगियों में उम्मीद की रोशनी आ गई।

आखिरी रात को खत्म करते हुए, प्रोफेट उबर्ट एंजेल ने कहा, "हीलिंग परमेश्वर के प्यार की भाषा है। हम जहां भी जाएं, बीमारी को झुकना ही होगा – क्योंकि यीशु ज़िंदा हैं" और बैंकॉक ने विश्वास किया।



सोलह साल से पीठ और सीने का दर्द – तुरंत ठीक हो गया

थाईलैंड की एक समर्पित टीचर, लथी, सोलह लंबे सालों से पीठ दर्द से परेशान थीं। जो दर्द शुरू में मामूली था, वह धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के हर हिस्से पर असर डालने लगा। वह ज़्यादा देर तक खड़ी या बैठ नहीं पाती थीं और आखिरकार उन्हें अपनी नौकरी छोड़नी पड़ी। इस तनाव की वजह से उन्हें सीने में ज़ोरदार दर्द होने लगा और यहाँ तक कि वह अपना दाहिना हाथ उठाने की क्षमता भी खो बैठीं।

निराश होकर, लथी दर्द और मायूसी के बोझ तले अपने माता-पिता के घर वापस चली गईं। उनका भरोसा कम हो रहा था - उन्होंने प्रार्थना तो की लेकिन कोई बदलाव नहीं दिखा और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि ठीक होना क्यों इतना मुश्किल लग रहा था।

सब कुछ तब बदल गया जब वह पैगंबर यूबर्ट एंजेल के साथ हीलिंग इंस्टीट्यूट की सर्विस में शामिल हुईं। जब पैगंबर ने सेवा की, तो परमेश्वर के वचन के बारे में उनकी समझ गहरी हुई और उनके अंदर फिर से विश्वास जाग उठा। जब पैगंबर उनके पास आए, तो वह मुस्कुराए, सीधे दर्द वाली जगह की ओर इशारा किया, और उसी पल उन्हें अपने पूरे शरीर में एक शक्ति का संचार महसूस हुआ। वह पवित्र आत्मा की शक्ति से गिर पड़ीं, और जब वह उठीं - तो सारा दर्द गायब हो चुका था।

आभार से भरी हुई, उन्होंने गवाही दी, "जो कोई भी मेरी तरह तकलीफ झेल रहा है, हार न मानें - परमेश्वर आपकी मदद करेंगे और आपके हर आँसू को पोंछ देंगे। मैंने सारी उम्मीद खो दी थी, लेकिन अब मैं सचमुच जानती हूँ कि पैगंबर यूबर्ट एंजेल परमेश्वर के सच्चे सेवक हैं।"

सोलह साल से पीठ दर्द, सीने में दर्द और सूंघने की शक्ति का खोना

एना सोलह साल से पीठ दर्द, सीने में दर्द और सूंघने की शक्ति खोने की समस्या से जूझ रही थीं। उनकी यह परेशानी तब शुरू हुई जब वह प्रार्थना और बलि चढ़ाने के लिए एक मंदिर गईं; लेकिन शांति मिलने के बजाय उनकी सेहत बिगड़ने लगी, उनका बिज़नेस ठप हो गया और उनके पूरे शरीर में दर्द फैल गया। वह न तो काम कर पाती थीं और न ही खाने का मज़ा ले पाती थीं, क्योंकि उनकी सूंघने की शक्ति पूरी तरह खत्म हो चुकी थी।

जब एना को पता चला कि पैगंबर यूबर्ट एंजेल बैंकॉक आ रहे हैं, तो उनके दिल में उम्मीद की एक किरण जगी। हीलिंग सेशन के दौरान, जब पैगंबर ने उन पर हाथ रखा, तो उन्हें दैवीय ऊर्जा का एक ज़बरदस्त प्रवाह महसूस हुआ।

यह एहसास उसके पूरे शरीर में फैल गया। वह उस 'अनोइंटिंग' (आध्यात्मिक स्पर्श) के असर से गिर पड़ी, और जब वह उठी, तो उसका सारा दर्द गायब हो चुका था—और उसकी सूंघने की शक्ति भी पूरी तरह वापस आ गई थी।

उसने खुशी-खुशी बताया, "मुझे ऐसा लगा जैसे कोई नवजात शिशु ताज़ी हवा में सांस ले रहा हो। मेरी ज़िंदगी पूरी तरह बदल गई है। जो कोई भी मेरी तरह तकलीफ में है, वह 'हीलिंग इंस्टीट्यूट' से जुड़े। आपकी ज़िंदगी पहले जैसी नहीं रहेगी। प्रोफेट यूबर्ट एंजेल, परमेश्वर के प्रेम को दिखाने और थाईलैंड में चंगाई लाने के लिए आपका धन्यवाद।"

> "चंगाई परमेश्वर के प्यार की भाषा है। हम जहाँ भी जाएँ, बीमारी को झुकना ही होगा क्योंकि यीशु ज़िंदा हैं"

स्लिप्ड डिस्क के पांच साल - आज़ाद और पूरी तरह ठीक

पाँच सालों तक निहाऊ हर्नियेटेड डिस्क की वजह से पीठ के असहनीय दर्द से जूझती रहीं। इस दर्द ने उनसे चलने-फिरने की आज़ादी और मन की शांति छीन ली थी। उन्होंने इलाज पर बहुत सारा पैसा खर्च किया - इतना कि आखिरकार उन्हें अपना घर तक बेचना पड़ा - लेकिन किसी चीज़ से आराम नहीं मिला। आर्थिक तंगी बढ़ती गई, परिवार में तनाव बढ़ा और वह डिप्रेशन की शिकार हो गईं। सबसे बुरे दौर में, उन्होंने अपने पति से शादी खत्म करने तक के लिए कह दिया, क्योंकि उन्हें लगने लगा था कि वह एक बोझ बन गई हैं।

लेकिन भगवान की योजना अभी खत्म नहीं हुई थी। इन सबके बीच, उम्मीद की एक किरण तब दिखी जब एक दोस्त ने उन्हें 'गुडन्यूज़ थाईलैंड' और पैगंबर यूबर्ट एंजेल की आने वाली यात्रा के बारे में बताया। वह अटूट विश्वास के साथ उस मीटिंग में शामिल हुईं, उन्हें यकीन था कि अब उनके लिए ईश्वरीय चमत्कार का समय आ गया है।

उस रात, जब पैगंबर ने उन पर हाथ रखा, तो उन्हें कुछ असाधारण महसूस हुआ - उन्होंने याद करते हुए कहा, "ऐसा लगा जैसे मेरी आत्मा मेरे शरीर से बाहर निकली और नई होकर वापस आ गई।" तुरंत ही सारा दर्द गायब हो गया। वह खुशी से उछलने-कूदने और चिल्लाने लगीं - वह पूरी तरह ठीक हो चुकी थीं।

उन्होंने बीमारी से जूझ रहे लोगों का हौसला बढ़ाते हुए कहा, "भगवान के पास आइए और आप ठीक हो जाएँगे। भगवान ने मेरे चमत्कार के लिए अपने सेवक, पैगंबर यूबर्ट एंजेल का इस्तेमाल किया। मैं पूरी तरह ठीक हो गई हूँ, और मेरी ज़िंदगी अब कभी वैसी नहीं रहेगी।"

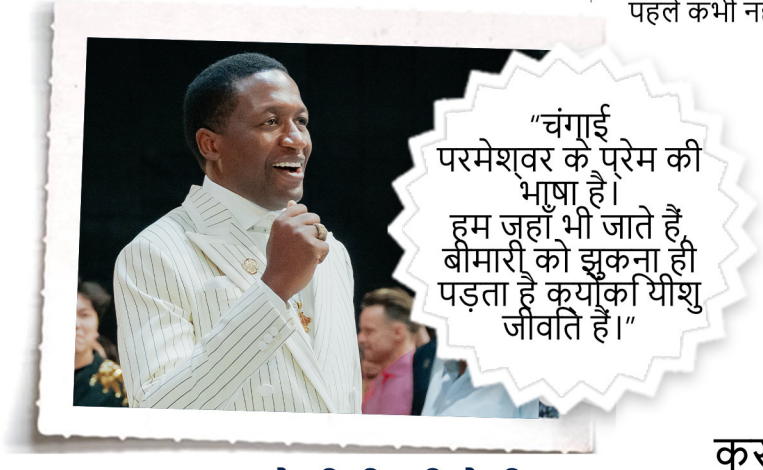


सूंघने की खोई हुई शक्ति वापस आ गई

पहला चमत्कार रात में एक चिंगारी की तरह हुआ। एक आदमी जिसने सालों से सूंघने की शक्ति खो दी थी, प्रार्थना के लिए आगे बढ़ा। जैसे ही प्रोफेट उबर्ट एंजेल ने उस पर हाथ रखा, उसने गहरी सांस ली और फूट-फूट कर रोने लगा। "मैं फिर से सूंघ सकता हूं!" वह चिल्लाया, और पूरे हॉल में आराधना शुरू हो गई। यह पल, जिसे लाइव टीवी पर कैद किया गया, जिसे अब हज़ारों लोग ऑनलाइन देख रहे हैं, आश्चर्यकर्मो की बाढ़ की शुरुआत थी।

कैंसर और दर्द खत्म

सिंगापुर की एक महिला, जिसे स्टेज-थ्री कैंसर था, दर्द और डर से परेशान थी। प्रार्थना के बाद, दर्द तुरंत गायब हो गया। जो गांठ उसे पहले महसूस हो रही थी, वह चली गई। बाद में स्कैन से चमत्कार की पुष्टि हुई क्योंकि गांठ पूरी तरह से गायब हो गई थी।



एक बुज़ुर्ग लकुवे की बीमारी से ठीक हुए।

एक बुज़ुर्ग थाई आदमी, जो स्ट्रोक के बाद एक तरफ से लकुवा ग्रस्त थे, अपनी व्हीलचेयर से धीरे-धीरे उठे, ध्यान से कदम उठाए जो बाद में साहसपूर्ण हो गए। हर कदम के साथ, भीड़ साँसे थामे रहीं और फिर खुश हो गई। उनका परिवार आंसुओं में घुटनों के बल गिर गया। "आठ साल इस कुर्सी पर," उसने धीरे से कहा, "और अब मैं चलता हूं।"

HIV: पॉजिटिव से नेगेटिव

सबसे खास बातों में से एक HIV से पीड़ित एक आदमी की थी। कांपते हाथों में मेडिकल पेपर पकड़े हुए, उसने दुआ ग्रहण की जब प्रोफेट ने कहा, "तुम्हारा खून साफ हो गया है।" यीशु के खून से।" बाद के टेस्ट ने वही पुष्टि किया जो स्वर्ग ने पहले ही तय कर दिया था – हर परिणाम नेगेटिव आया। यह इतना पक्का सबूत था कि आस्था और साइंस दोनों ही श्रद्धा से चुप थे।

नींद न आने वालों के लिए नींद

एक महिला, जो तीन साल से नींद न आने की समस्या से परेशान थी, उसे परमेश्वर की मौजूदगी में आराम मिला। अभिषेक होने के कुछ ही पलों बाद, आराधना के दौरान वह शांति से सो गई। वह सालों में पहली बार पूरी नींद लेने के बाद तरोताज़ा होकर उठी और तब से सामान्य रूप से सो रही है।

आंखें और कान खुल गए

एक मां थाई भाषा में चिल्ला उठी जब उसका बेटा, जो जन्म से बहरा था, उसकी आवाज़ सुनकर अचानक घूम गया। एक और महिला जो बचपन से एक आंख से अंधी थी, बार-बार पलकें झपकाने लगी और हांफने लगी, जब उसने ऐसे रंगों के बारे में बताना शुरू किया जो उसने पहले कभी नहीं देखे थे।

प्रोफेट उबर्ट एंजेल द्वारा स्थापित स्पिरिट एम्बेसी का हीलिंग इंस्टीट्यूट, अपने वैश्विक मिशन "बीमारों को ठीक करना, कोढ़ियों को शुद्ध करना, मरे हुओं को ज़िंदा करना, और शैतानों को बाहर निकालना" को जारी रखे हुए है। अफ्रीका से एशिया तक, यह एक ऐसा ज़रिया है जिसके ज़रिए मसीह की दया इंसानियत को छूती है। गुडन्यूज़ थाईलैंड एक ख़ास चिन्ह के तौर पर खड़ा है – साफ़ याद दिलाता है कि दिवा भले ही स्वास्थ्य लाभ को माप सकती है, लेकिन परमेश्वर इसे परिभाषित करते हैं।



6 साल का बच्ची पटिरियिाससि रोजयिा (त्वचा का वकिार) से ठीक हुइ

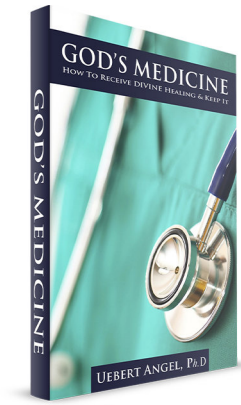
चार महीने तक, छोटी अनाइशे गुमुरे को अपने चेहरे और शरीर पर खुजली वाले, दर्दनाक त्वचा रोग की परेशानी थी। शुरू में जो एक आम त्वचा की समस्या लग रहा था, वह कई कोशशिों के बाद भी जल्द ही बगिड़ गया। उसके माता-पिता ने कई क्रीम लगा कर देखा लेकनि कोई फायदा नहीं हुआ। अनाइशे ने दो महीने तक मुँह से नगिल कर दवाएँ लीं, लेकनि कोई सुधार नहीं हुआ। यह हालत परविार के लिए पैसे और भावना दोनों तरह से बहुत थकाने वाली हो गई थी। त्वचा रोग की गंभीरता के कारण, अनाइशे अक्सर स्कूल नहीं जा पाती थी और अब अपनी पसंदीदा काम, जैसे तैराकी, में हस्सिा नहीं ले पाती थी। उसके माता-पिता ने उसे ऐसे कपड़े पहनाए जनिसे उसकी गर्दन और हाथ ढके रहें ताकि उसकी त्वचा सुरक्षति रहे और अन्य लोगों की सार्वजनकि असुवधिा से बचा जा सके। उसकी माँ को काम पर ध्यान लगाने में मुश्कलि होती थी, वह हमेशा अपनी बेटी की तकलीफ़ को लेकर नराश रहती थी और उसे आराम दलिाने के लिए व्याकुल रहती थी।

मदद पाने का पक्का इरादा करके, अनाइशे की माँ ने हम्मित दखिाई और हीलगि इंस्टीट्यूट प्रोग्राम के लिए पंजीकरण करने का फैसला कयिा, जो मुफ्त चंगाई की शीक्षा देता है।

वे पूरी ईमानदारी से शामलि हुए, और एक सत्र के दौरान, जब प्रोफेट ने अनाइशे के लिए प्रार्थना की, तो कुछ अनोखा हुआ। तुरंत, खुजली और दर्द बंद हो गया। अगले दनि तक, त्वचा के सारे घाव पूरी तरह से गायब हो गए थे। बहुत खुश होकर, अनाइशे अपनी माँ के पास दौड़ी आई और कहा कि उसकी त्वचा चकिनी हो गई है और उस पर कोई त्वचा रोग नहीं है।

पटिरियिाससि रोज़यिा का यह मामला खास तौर पर गंभीर और लंबा था, जो आमतौर पर बताई गई दवा से ठीक होने में लगने वाले 6-10 हफ्तों से कहीं ज़्यादा समय तक चला। प्रार्थना के 24 घंटे के अंदर पूरी तरह ठीक होना कसिी चमत्कार से कम नहीं था।

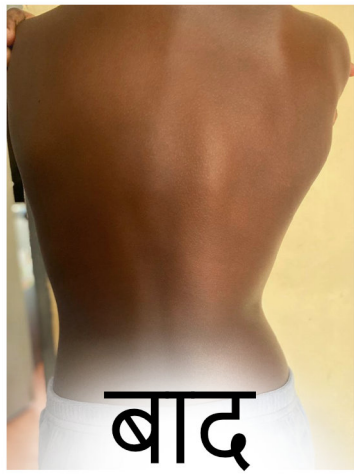
अनाइशे की माँ ऐसी ही मुश्कलिों का सामना कर रहे दूसरे लोगों को वशि्वास में बने रहने के लिए हम्मित देती हैं, और कहती हैं कि हीलगि इंस्टीट्यूट सच में एक समाधान की जगह है जहाँ प्रोफेट उबर्ट एंजेल के परमेश्वर ज़न्दिगीयों को बदल रहे हैं। वह दलि से शुक्रयिा अदा करते हुए कहती हैं, "रा'आह, परमेश्वर की पुकार का जवाब देने और ज़दिगी बदलने के लिए बहुत-बहुत शुक्रयिा।"

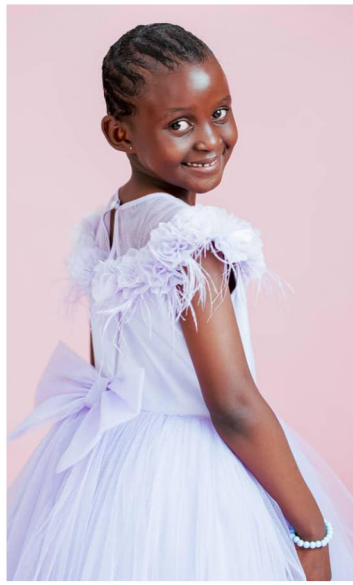


परमेश्वर की दवा

प्रॉपहेट उबर्ट एंजेल के द्वारा

मंगवाने के लिए उपलब्ध है
www.healinginstitute.org





हमारे सभी भागीदारों और मत्रिों को

हीलगि इंस्टीट्यूट के साथ भागीदारी के लिए धन्यवाद

हम आपके बलदिान का सम्मान करते हैं, आपके वशि्वास का जश्न मनाते हैं, और प्रार्थना में आपके साथ खड़े हैं।

हमारे प्रमुख भागेदार

एक साथ
हम चंगाई को देशों तक le जा रहे

एक साथ
हम जीवनों को बदल रहे है

एक साथ
हम ईश्वर के सेवक, पैगंबर यूबर्ट एंजेल के आदेश को पूरा कर रहे हैं।
भगवान आप पर भरपूर कृपा करें।


कार्डनिल जॉर्डन बैंक्स


चैप्लेन रेने ब्राउन


डायरेक्टर एलज़िाबेथ ग्रेस


डॉक्टर वज़िडम चूमा

हमारे भवषि्य के साझेदारों के लिए

परमेश्वर की चंगाई की शक्ति से दुनिया को जोड़ने के लिए परमेश्वर के जन, अत्यंत सम्मानति भवषि्यवक्ता यूबर्ट एंजेल के साथ जुड़ें।

आज ही पार्टनर बनें!

www.healinginstitute.org/partner


सीवा गोल्डमैन

एक सेहभागी बने

एक समय में एक सेहभागी के साथ उम्मीद फैलाते हुऐ

जैसे-जैसे हम दुनिया के साथ परमेश्वर की चंगाई सामर्थ बाटने के अपने उद्देश्य को जारी रखते हैं, हम अपने समर्पित भागीदारों का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। आपका अटूट समर्थन एक गेम चेंजर रहा है, जिससे हम "इस समय का संदेश" के साथ दुनिया के हर कोने तक पहुँच पाए हैं। आपकी उदार दिल के कारण, हम हमारे चंगाई मैगज़ीन की फ्री कॉपी बांट पाए हैं, जो शक्तिशाली संदेश, ज़िंदगी बदलने वाली कहानियों और भविष्य के लिए उम्मीद से भरी है। साथ मिलकर, हम यूगाल्लियों को फैलाने की अपनी कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

हमारे साथ आप क्यों साझेदारी करें?

जैसा कि 1 सैमुअल 30:24 हमें याद दिलाता है, "इस मामले में तुम्हारी कौन सुनेगा? क्योंकि जैसे लड़ाई में जाने वाले का हिस्सा होता है, वैसे ही सामान के पास रहने वाले का भी हिस्सा होगा। वे दोनों बराबर हिस्सा लेंगे।" हम इसमें एक साथ हैं, राह प्रोफेट उबर्ट एंजेल के साथ मिलकर, इस अविश्वसनीय यात्रा की पहली पंक्ति पर खड़े हैं।



हमारे उद्देश्य को आगे बढ़ाने में हमारी मदद करने के लिए एक असरदार तोहफ़ा दें।

आज ही साझेदार बनें!

आज ही जाए
www.healinginstitute.org/partner

अगर आप अभी तक साझेदार नहीं हैं, तो हम आपको हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं। द हीलिंग इंस्टीट्यूट के साथ साझेदारी करके, आप दुनिया भर में लाखों लोगों की ज़िंदगी में असल में बदलाव लाएंगे। आइए, साथ मिलकर "इस समय का संदेश" को फैलाएं और ज़रूरतमंद दुनिया में उम्मीद लाएं।





शुभसन्देश

ज़ाम्बिया

9 अगस्त 2025 को कटिवे शहर में मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया। नकाना स्टेडियम, जिसे प्यार से 'पचलिता' कहा जाता है, एक दिव्य मिलन की जगह बन गया, जब 'रा-आह' (Ra'ah), यानी पैगंबर यूबर्ट एंजेल ने ज़ाम्बिया में अब तक के सबसे अद्भुत हीलिंग क्रूसेड (चंगाई सभा) में से एक का नेतृत्व किया। वह रात देश के इतिहास में एक यादगार घटना बन गई - एक ऐसी रात जब आस्था हकीकत में बदल गई और चमत्कार जीवित जल की नदियों की तरह बहने लगे।

'रा-आह' के भविष्यसूचक नेतृत्व में, ज़ाम्बिया और उसके बाहर से हज़ारों लोग स्टेडियम में उमड़ पड़े। माहौल आस्था, उम्मीद और ईश्वर के स्पर्श की चाहत से भरा हुआ था। यह सिर्फ़ एक कार्यक्रम नहीं था - यह ईश्वर का एक दिव्य आगमन था। कॉपरबेल्ट प्रांत ने ईश्वर का ऐसा चमत्कारिक कार्य पहले कभी नहीं देखा था।

वहाँ 20,000 से ज़्यादा लोग मौजूद थे, और जो कुछ हुआ वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। पैगंबर यूबर्ट एंजेल के नेतृत्व वाले हीलिंग इंस्टीट्यूट के ज़रिए लोगों की ज़िंदगी बदल गई, क्योंकि ईश्वर की उपस्थिति में बीमारियाँ दूर हो गईं। HIV से लेकर अंधेपन, बहरेपन और लकवे तक - हर तरह की बीमारी पवित्र आत्मा की शक्ति के आगे झुक गई। सबसे हैरान करने वाले पल वे थे जब सालों से HIV से जूझ रहे लोग तुरंत ही इस बीमारी से मुक्त हो गए।
उनकी गवाहियाँ जीवंत प्रमाण बन गईं।

भजन संहिता 103:2–3 का सबूत: "हे मेरे मन, प्रभु की स्तुति कर और उसके सभी उपकारों को न भूल - जो तेरे सारे पापों को क्षमा करता है और तेरी सारी बीमारियों को ठीक करता है।" प्रभु सचमुच सभी बीमारियों को ठीक करते हैं, न कि केवल कुछ को।

जैसे-जैसे रात बीतती गई, स्वर्ग का संगीत हवा में गूंजने लगा। बहरे कान एक-एक करके खुलने लगे। सालों से छाई खामोशी खुशी की चीखों और धन्यवाद के गीतों से टूट गई। परिवार वाले रो पड़े जब उनके अपनों ने पहली बार उनकी आवाज़ सुनी। यह यशायाह 35:5 का पूरा होना था: "तब अंधे लोगों की आँखें खुल जाएँगी और बहरे लोगों के कान खुल जाएँगे।"

अंधे लोग देखने लगे। जिन आँखों ने लंबे समय से सिर्फ़ अंधेरा देखा था, वे अब रोशनी की सुंदरता को देखने के लिए खुल गईं। कुछ लोग हैरानी में खड़े रहे और उन चेहरों को देखते रहे जिन्हें उन्होंने बरसों से नहीं देखा था। दूसरे लोग घुटनों के बल बैठ गए, क्योंकि वे इस चमत्कार से अभिभूत थे। जैसा कि यीशु ने मत्ती 9:29–30 में कहा था, "तुम्हारे विश्वास के अनुसार ही तुम्हारे साथ हो," वे शब्द उस रात नकाना स्टेडियम में सच साबित हुए।

फिर वह पल आया जिसने भीड़ को हिलाकर रख दिया—अपाहिज लोग चलने लगे। व्हीलचेयर छोड़ दी गईं, बैसाखियाँ हवा में लहराई गईं, और जो लोग बरसों से बंधे हुए थे, वे मैदान में उछलने-कूदने और नाचने लगे। स्टेडियम में लोगों की खुशी और प्रशंसा का सैलाब उमड़ पड़ा। बहुत से लोगों के दिलों में यशायाह 35:6 की ये बातें गूंजने लगीं: "तब लंगड़े हिरण की तरह उछलेंगे, और गूंगे..."

चमत्कारों की एक रात



"जीभ खुशी से चल्लिा उठेगी।" यशायाह 35:6। यह वह रात थी जब नामुमकनि मुमकनि हो गया और नरिाशा की जगह खुशी ने ले ली।

शारीरकि चमत्कारों से भी बढ़कर एक और चमत्कार हुआ - आत्माओं का उद्धार। 3,000 से ज़्यादा लोगों ने मसीह को अपना जीवन सौंप दयिा, और पछतावे व खुशी के आँसुओं के साथ अपने दलि उनके हवाले कर दए। लूका 15:7 के शब्द सच साबति हुए: "स्वर्ग में एक पापी के पछतावा करने पर उन नन्यिानवे नेक लोगों से ज़्यादा खुशी होती है जन्हिें पछतावा करने की ज़रूरत नहीं है।" स्वर्गदूतों ने भी लोगों की भीड़ के साथ खुशी मनाई; वे उन आत्माओं के लए गाने और नाचने लगे जन्हिें स्वर्ग ने एक ही रात में पाया था। स्वर्ग ने 'जीवन की पुस्तक' में बहुत सारे नए नाम दर्ज कए।

जब भवष्यिवक्ता यूबर्ट एंजेल सेवा कर रहे थे, तो ऐसा लगा मानो पवत्रि आत्मा की शक्त िसे पूरा माहौल काँप उठा हो। प्रेरतिों के काम 3:6 में पतरस की तरह, उन्होंने नासरत के यीशु मसीह के नाम पर चंगाई, छुटकारा और उद्धार की घोषणा की। और ठीक वैसे ही जैसे प्रेरतिों के दनिों में हुआ था, हर तरफ़ चमत्कार होने लगे। यह न तो ताकत से हुआ और न ही शक्त िसे, बल्कि जीवति परमेश्वर की आत्मा के द्वारा हुआ।

जब सुबह होने को आई और क्रूसेड खत्म होने वाला था, तो एक बात पक्की थी: कटिवे शहर अब पहले जैसा नहीं रहेगा। लोग नकाना स्टेडयिम से न केवल शारीरकि रूप से चंगे होकर नकिले, बल्कि उनकी आत्मा में भी नई जान आ गई थी। पुनरुद्धार की आग जल चुकी थी, और उसकी चमक कॉपरबेल्ट और उसके बाहर भी महसूस की जा सकती थी। वह रात यर्मियाह 32:27 का जीता-जागता सबूत थी: "मैं प्रभु हूँ, सारी मानवता का परमेश्वर। क्या मेरे लए कुछ भी बहुत मुश्कलि है?" सचमुच, परमेश्वर के लए कुछ भी मुश्कलि नहीं है। बहरे कान खुल गए, अंधी आँखें देखने लगीं, अपाहज पैर चलने लगे और दलि ठीक हो गए। यह वह रात थी जब स्वर्ग ने ज़ाम्बयिा का दौरा कयिा।

और जब नकाना स्टेडयिम में धूल शांत हुई, तो हर दलि में एक सच गूँज उठा: यह अंत नहीं था, यह शुरुआत थी। एक ऐसी चगिारी जली थी जो देशों में आग लगा देगी। पुनरुद्धार...

कटिवे में जो शुरू हुआ, वह पीढ़ियों तक गूंजता रहेगा और यह घोषणा करेगा कि यीशु मसीह कल, आज और हमेशा एक समान हैं।

आठ साल बाद HIV-मुक्त

कटिवे की रहने वाली सेसलियिा ने पूरे आठ साल तक एक खामोश बोझ ढोया। 2018 में HIV का पता चलने के बाद, हर दनि उनके लए भरोसे और डर के बीच एक संघर्ष जैसा था। उनकी ज़दिगी घड़ी के हसिाब से चलती थी - रोज़ाना अलार्म सेट करना ताकि वे ठीक उसी समय अपनी दवा ले सकें। गोलयिाँ बड़ी और कड़वी थीं, जो उस वायरस की याद दलिाती थीं जसिने उनके शरीर और मन को जकड़ रखा था। समाज का कलंक सहना मुश्कलि था। उन्होंने परविार से अपनी बीमारी छपिाई और ठीक होने का दखिावा करती रहीं, लेकनि जब उनकी बेटी को दवा मलिी, तो सेसलियिा का राज़ खुल गया। नरिाशा उन्हें पूरी तरह घेरने ही वाली थी कि तभी उन्हें भरोसा मलिा।

वे याद करती हैं, "मैंने 2024 में 'गुडन्यूज़ लुसाका' में पैगंबर को लोगों के लए प्रार्थना करते देखा था। उनकी गवाहयिों ने मुझे उम्मीद दी। मैंने उस दनि को - 9 अगस्त, 2025 - अपनी आज़ादी के दनि के तौर पर तय कर लयिा, जब पैगंबर यूबर्ट एंजेल कटिवे आने वाले थे।"

जब पैगंबर ने प्रार्थना की और घोषणा की, "HIV खत्म हो गया है," तो उनके भीतर कुछ बदल गया। कुछ दनिों बाद, सेसलियिा अस्पताल गईं। एक के बाद एक हुए टेस्ट ने उस बात की पुष्ट कि दी जो ऊपर से तय हो चुकी थी - HIV नेगेटवि।

वे कहती हैं, "मेरे चेहरे से मुस्कान हट ही नहीं रही थी। भगवान ने मुझे पूरी तरह ठीक कर दयिा। जो कोई भी यह सुन रहा है - भरोसा बनाए रखें। जसि भगवान ने मुझे ठीक कयिा, वही आपको भी ठीक करेगा।"

24 साल से कान से मवाद बहने की समस्या, तुरंत ठीक हो गई।

केनेडी के लए, ज़दिगी दर्द और शर्मदिगी के खलिाफ़ 24 साल की लंबी लड़ाई थी। जन्म से ही उन्हें ओटोरयिा की बीमारी थी। उनके कानों से लगातार बदबूदार डस्चिार्ज के साथ बहुत ज़्यादा दर्द होता था। उन्होंने सब कुछ आज़माया था: दवा, हर्बल इलाज और घरेलू इलाज, लेकनि कुछ भी काम नहीं आया, जब तक कि उस दनि सब कुछ बदल नहीं गया। जब पैगंबर उएबर्ट एंजेल

> सेसलियिा के HIV से ठीक होने से लेकर जोशुआ की सुनने की क्षमता वापस मलिने तक, कटिवे क्रूसेड सरिफ़ एक सभा से कहीं बढ़कर था - यह धरती पर स्वर्ग के साक्षात होने जैसा था।



कटिवे में, कैनेडी एक ही ज़बरदस्त प्रार्थना के साथ वहाँ पहुँचे: 'मैं ठीक हो जाऊँ।'

कैनेडी बताते हैं, "जैसे ही पैगंबर ने मेरे कानों को छुआ, कान से बहने वाला पानी तुरंत सूख गया। दर्द गायब हो गया। ऐसा लगा जैसे किसी ने कोई दैवीय स्वचि दबा दिया हो।"

आज, उनके कान बिल्कुल ठीक हैं; न तो कोई पानी बहता है और न ही कोई दर्द है। चमत्कार यहीं नहीं रुका। उनका कारोबार फलने-फूलने लगा और जो दरवाज़े लंबे समय से बंद थे, वे खुल गए।

मुस्कुराते हुए कैनेडी कहते हैं, "सचमुच ईश्वर मुझसे मिलने आए थे। ऐसा लगा जैसे पैगंबर सिर्फ मेरे लिए ही कटिवे आए हों। मेरी ज़िंदगी अब कभी वैसी नहीं रहेगी।"

रक्तस्राव तुरन्त बंद हो गया

चार दर्दनाक महीनों तक, चिलुफ़िया को असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव हुई, जिससे वह कमज़ोर और एनीमिया से जूझती रही। डॉक्टरों ने हार्मोनल असंतुलन का पता लगाया और एक महंगा प्रक्रिया बताया जिसका वह खर्च नहीं उठा सकती थी। दवा विफल रहीं । उम्मीद खत्म हो गई। फिर भी, एक रात, उसने सपना देखा कि प्रोफेट उबर्ट एंजेल उसे एक कार्ड दे रहे हैं और उसने इसे एक ऐसा संकेत माना जिसे वह नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती थी। वह कटिवे में क्रूसेड में शामिल होने के लिए ज़ाम्बिया गई। भले ही वह हीलिंग लाइन में नहीं थी, उसने अपना विश्वास और अपना फ़ोन उठाया, और प्रोफ़ेट को अपनी एक तस्वीर दिखाई जब वह वहाँ से गुज़रे। वह कहती है, "जब उन्होंने तस्वीर को छुआ, तो मुझे लगा कि मेरे शरीर में कुछ शक्तिशाली चीज़ घूम रही है।"

शरीर। मैं परमेश्वर की शक्ति के अधीन हो गया और एक क्षण के लिए भी साँस नहीं ले सका। जब मैंने खुद की जांच की तो मुझे एहसास हुआ कि रक्तस्राव पूरी तरह से बंद हो गया है।"

उसके चेहरे से खुशी के आँसू छलक पड़े। वही डॉक्टर, जिन्होंने एक बार सर्जरी का सुझाव दिया था, यह नहीं बता सके कि उसे क्या हुआ था। आज वह इस बीमारी से मुक्त हो गई है और यह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि भगवान अभी भी चमत्कार करने में लगे हुए हैं।

मेरा बेटा फिर से सुन सकता हैं

लॉयड के लिए अपने बेटे जोशुआ को खामोशी में बड़े होते देखना बहुत दुखद था। सिर्फ़ दो साल की उम्र में जोशुआ को सुनने में बहुत ज़्यादा तकलीफ़ (severe hearing loss) का पता चला; वह बिना आवाज़ वाली दुनिया में जी रहा था। उसके माता-पिता को उसे थोड़ा-बहुत सुनाने के लिए सीधे उसके कानों में चिल्लाना पड़ता था, और उसका बोलना लगभग नामुमकिन था। उन्होंने हर कोशिश की और एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल गए, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। यहाँ तक कि हियरिंग एड भी बेकार साबित हुए; उसकी सुनने की क्षमता वापस नहीं आ सकी।

यह उनकी कहानी तब तक थी जब तक कि एक चमत्कारिक घटना नहीं हुई। कटिवे क्रूसेड के दौरान, पैगंबर यूबर्ट एंजेल ने जोशुआ के लिए प्रार्थना की और धीरे से उसके कानों और हियरिंग एड को छुआ। उसी पल, लॉयड को याद है कि उन्होंने जोशुआ से बिना चिल्लाए बात की और उसने जवाब दिया, जबकि आस-पास बहुत शोर-शराबा था।

"उस शोर-भरी भीड़ में, मैंने जोशुआ से बिना चिल्लाए बात की - और उसने जवाब दिया! वह बिना हियरिंग एड के भी साफ़-साफ़ सुन सकता था।" - लॉयड

इस चमत्कार ने सबको हैरान कर दिया। जोशुआ की बोलने की क्षमता तेज़ी से बेहतर होने लगी, और उसकी हँसी हवा में संगीत की तरह घुल गई - ऐसी हँसी जिसे सुनने के लिए वे बरसों से तरस रहे थे।

"अब वह कहता है कि वह पैगंबर से दोबारा मिलने ज़िम्बाब्वे जाना चाहता है," लॉयड मुस्कुराते हुए कहते हैं। "इसे पढ़ने वाले हर व्यक्ति को पता होना चाहिए कि एक ईश्वर है जो ठीक करता है। मैंने उसे पैगंबर यूबर्ट एंजेल के ज़रिए काम करते देखा है।"

हमसे जुड़ें और इस शानदार मौके का फ़ायदा उठाएँ
ईश्वर और दिव्यता के साथ साझेदारी
के साथ साझेदारी करें
हीलिंग इंस्टीट्यूट
WWW.HEALINGINSTITUTE.ORG/PARTNER
पार्टनर अभी



कोई प्रार्थना नहीं, कोई 'हाथ रखकर दुआ' करने की रस्म नहीं, बस वो माहौल और 31 साल की कहानी— और बदलाव आ गया।

कटिवे का नकाना स्टेडियम आराधना से गूंज रहा था। हज़ारों हज़ार लोग ज़ाम्बिया में बहुत सम्मानित प्रोफेट उबर्ट एंजेल के साथ गुड न्यूज़ के लिए इकट्ठा हुए थे – और वातावरण भी उम्मीद से भरा हुआ लग रहा था। परमेश्वर के जन के सेवा करने से पहले ही, भीड़ में चमत्कार हो रहे थे। उनमें अब्राहम जुलू भी था, एक शांत नौजवान जिसकी ज़िंदगी जन्म से ही एक ऐसे डायग्नोसिस से बनी थी जिसने कभी HIV के लिए नहीं कहा। वह प्रार्थना लाइन में नहीं था। वह यह नहीं चाह रहा था की उस पर हाँथ रखे जाए। वह दर्शकों में भी नहीं था। वह स्टेज पर था, गिटार बजा रहा था। फिर भी उस वातावरण में कुछ ऐसा हुआ जिसे चिकित्सा विज्ञान पूरी तरह से समझा नहीं सकता।

जन्म से ही चिह्नित एक जीवन

1994 में जन्मे अब्राहम को बचपन से ही HIV था। 2007 तक, जब लक्षण दिखने लगे, तो डॉक्टरों ने डायग्नोसिस की पुष्टि कर दिया और उन्हें ज़िन्दगी भर के लिए एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी देनी शुरू कर दी। उन्होंने याद करते हुए कहा, "मेरे हाथों पर काले धब्बे थे। मेरे पैर आज जैसे नहीं थे। मुझे शॉर्ट्स पहनने में भी मुश्किल होती थी।" बड़े होने तक, वह लगभग तीन दशकों तक HIV के साथ रहे। उन्होंने शादी की, पिता बने, और एक स्थिर ज़िंदगी बनाई, फिर भी भावनात्मक बोझ बना रहा। उन्होंने माना, "ऐसे दिन भी थे जब मुझे लगता था कि मेरी शादी अच्छी नहीं होगी।" "मुझे लगता था कि कोई भी औरत मुझे अपनाएगी नहीं। लेकिन परमेश्वर ने मुझे एक ऐसी पत्नी दी जो हमेशा HIV नेगेटिव रही, और हमारा बच्चा भी।"

विश्वास ने उसे खड़ा रखा। इलाज ने उसे स्थिर रखा। लेकिन कटिवे तक HIV उसके चिकित्सा रिकॉर्ड का एक स्थायी हिस्सा बना रहा।

अब्राहम 'गुडन्यूज़ जाम्बिया क्रूसेड' में ठीक होने की उम्मीद से नहीं गए थे।
उन्होंने कहा, "मैं बस उसमें शामिल होना चाहता था। और मैंने 'किंग्स मलेम्बे' के लिए गिटार बजाने की पेशकश की।" वे स्टेज के पीछे खड़े थे और पूजा-अर्चना करने वाली टीम का हिस्सा बनकर शुक्रगुज़ार महसूस कर रहे थे। तभी पैगंबर यूबर्ट एंजेल ने स्टेडियम में घोषणा की: "आप जो भी समस्या लेकर आए हैं, वह यहीं खत्म हो जाएगी।"
अब्राहम ने पहले भी ऐसी बातें सुनी थीं, लेकिन इस बार कुछ अलग था। "मैंने बस धीरे से कहा, 'हे ईश्वर, मुझ पर दया कर।' मैंने ठीक होने की मांग नहीं की। मैंने बस खुद को ईश्वर को सौंप दिया।" किसी ने उनके लिए प्रार्थना नहीं की। किसी ने उन्हें छुआ तक नहीं। किसी ने उनके मामले का ज़िक्र नहीं किया। फिर भी, पैगंबर की मौजूदगी वाले माहौल में कुछ बदल गया। उनके दिल में एक शांत विचार आया, "जाओ और आज़माकर देखो।"

वह टेस्ट जिसने सब कुछ बदल दिया

धर्म-प्रचार कार्यक्रम के बाद, अब्राहम मेडिकल टेस्ट करवाने गए। मेडिकल टीम ने पूछा, "आप कितने समय से इस बीमारी के साथ जी रहे हैं?" उन्होंने जवाब दिया, "जन्म से ही। मेरा इलाज चल रहा है। कई साल हो गए हैं।"
फिर नतीजा आया: नेगेटिव।
अब्राहम हैरान होकर डॉक्टर को देखते रह गए। "सर... आप ज़रूर मज़ाक कर रहे होंगे।"
लेकिन यह कोई मज़ाक नहीं था। अगले दिन दूसरा टेस्ट हुआ: नेगेटिव। घर पर किए गए और टेस्ट भी: नेगेटिव। यहाँ तक कि उनकी पत्नी ने भी इसकी पुष्टि की। वह वायरस जिसने उनकी पूरी ज़िंदगी को प्रभावित किया था — वह खत्म हो चुका था।

उन्हीं के शब्दों में

"ईश्वर के सेवक, पैगंबर यूबर्ट एंजेल — आपका धन्यवाद। आपने मुझ पर कभी हाथ नहीं रखा, फिर भी ईश्वर ने मुझे ठीक करने के लिए आपका इस्तेमाल किया। मेरी पत्नी हैरान रह गई। मैंने बार-बार टेस्ट किया। हर बार नतीजा 'नेगेटिव' आया। मैं प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर पीढ़ियों तक आपकी रक्षा करे और आपका इस्तेमाल करता रहे।"

पैगंबर की परछाई, मरहम लगाने वाले का स्पर्श

'द एटमॉस्फ़ेयर फ़ॉर हीलिंग' के होस्ट, चीफ़ कार्डिनल फ़ेलिक्स एंजेल ने उस पल को इन शब्दों में बयां किया: "यह पैगंबर के जीवन जैसा ही है। बस उनके माहौल में रहने से ही चमत्कार होते हैं।"
अब्राहम का चमत्कार 'हीलिंग इंस्टिट्यूट' के मकसद को पूरी तरह से दिखाता है:
हीलिंग कोई रस्म नहीं है, बल्कि एक मौजूदगी है। और उस मौजूदगी में, सच्चे हीलर यीशु ने एक ऐसे व्यक्ति को छुआ जो किसी चमत्कार की मांग भी नहीं कर रहा था। अब्राहम HIV पॉज़िटिव होकर नकाना स्टेडियम में गए थे, लेकिन जब वे बाहर निकले तो एक नए इंसान बन चुके थे।

दुनिया के लिए एक संदेश

लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे लोगों से अब्राहम कहते हैं:
"अपना विश्वास न खोएं। परमेश्वर का हाथ इतना छोटा नहीं है कि आप तक न पहुँच सके। भले ही कई साल बीत गए हों — विश्वास रखें।"
उनकी कहानी HIV/AIDS के साथ जी रहे लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण है। यह इस बात का सबूत है कि जिसे मेडिकल साइंस लाइलाज कहती है, उसे परमेश्वर आसान मानते हैं।.

द हीलिंग इंस्टीट्यूट: ईश्वर की शक्ति से दुनिया को जोड़ना

कटिवे से थाईलैंड और दुबई से हरारे तक, हीलिंग इंस्टीट्यूट ईश्वर से मिले अपने मिशन को जारी रखे हुए है — दुनिया भर में लाखों लोगों तक चंगाई (healing) पहुँचाना।
अब्राहम के खून में हुआ चमत्कार उन हज़ारों चमत्कारों में से एक है जो पैगंबर यूबर्ट एंजेल के ग्लोबल क्रूसेड (धर्म-प्रचार अभियानों) में देखे गए हैं। हर चमत्कार मैथ्यू 10:8 का जीता-जागता सबूत है:
"बीमारों को चंगा करो... तुम्हें मुफ्त में मिला है, मुफ्त में ही दो।"



हीलिंग के लिए माहौल देखें
दुनिया भर से
जीवन बदलने वाले अनुभव
पर उपलब्ध YouTube
@healinginstituetv
www.healinginstitute.tv

हेल्थ और वेलनेस के लिए टॉप टिप्स

अच्छी क्वालिटी की ज़िंदगी बनाए रखने के लिए स्वस्थ रहना बहुत ज़रूरी है। एक स्वस्थ जीवनशैली, जिसमें संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि और मानसिक स्वास्थ्य शामिल है, शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाती है। यह हृदयरोग , डायबिटीज़ और मोटापे जैसी पुरानी बीमारियों का खतरा कम करती है, साथ ही ऊर्जा स्तर और लंबी उम्र को बढ़ाती है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने से बेहतर उत्पादकता, बेहतर मनोदशा और ज़्यादा मज़बूत इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रणाली) मिलता है, जिससे लोग ज़िंदगी का पूरा मज़ा ले पाते हैं। स्वस्थ आदतें अपनाना आपकी ज़िंदगी को तुरंत और लंबे समय में बेहतर बनाने का एक सक्रिय तरीका है।



अपने जीवन को बढ़ावा दें

4 रोज़ाना की स्वास्थ्य आदतें जो आपकी ज़िंदगी को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं

1. सोने और जागने का एक नियमित चक्र बनाए रखें।

अपने शरीर की आंतरिक 24 घंटे की घड़ी, सर्कडियन रिदम को बनाए रखने के लिए, सप्ताहांत समेत हर दिन एक ही समय पर सोएं और जागें। एक अच्छी तरह से नियंत्रित सर्कडियन रिदम डीएनए की मरम्मत को बेहतर बनाती है, ऑक्सीडेटिव तनाव को प्रबंधित करती है, और प्रतिरक्षा व सूजन संबंधी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करती है, जिससे आपकी कोशिकाएं सुरक्षित रहती हैं। अपनी सर्कडियन रिदम को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए, सुबह सबसे पहले अपनी आँखों को सूरज की रोशनी में लाएँ।

2. खाने से पहले अपनी सूंघने की शक्ति को सक्रिय करें

भोजन को सूंघकर खाने से लार अधिक बनती है, जो पाचन तंत्र को भोजन के लिए तैयार करती है। यह क्रिया भोजन के एंजाइमेटिक पाचन में सहायक है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण के लिए आवश्यक है।

3. तनाव घटाने के लिए तीन गहरी सांसें लें

गहरे नासिका श्वास कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, जिससे तनाव के शारीरिक लक्षण कम होते हैं। मस्तिष्क में ऑक्सीजन के प्रवाह को बढ़ाकर, आप एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ाते हैं, और भावनाओं को नियंत्रित और शांत तरीके से विनियमित करते हैं। गहरे श्वास लेने से आपका रक्तचाप भी कम हो सकता है, जिससे आपके शरीर को तनावग्रस्त "लड़ो या भागो" अवस्था से अधिक आरामदायक "आराम करो और पचाओ" मोड में संक्रमण करने में मदद मिलती है।

4. लिम्फेटिक प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए ट्रैम्पोलिन पर कूदें

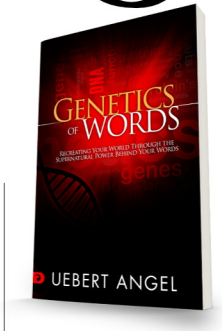
उछलने-कूदने की क्रिया लिम्फैटिक सिस्टम में बहाव को बढ़ाती है, जिससे शरीर से ज़हरीले पदार्थों और बेकार चीज़ों को बेहतर ढंग से निकालने में मदद मिलती है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मज़बूत कर सकता है, जो संक्रमणों से बचाता है और सेहत बनाए रखता है। इस हल्की-फुल्की कसरत से बढ़ा हुआ बहाव और ऑक्सीजन का स्तर ज़्यादा ऊर्जा, अच्छा मूड और कम थकावट व तनाव का कारण बन सकता है।

ये आसान रोज़मर्रा की आदतें आपकी सेहत और तंदुरुस्ती को बहुत बढ़ा सकती हैं। नींद के पैटर्न को ठीक करने से लेकर ट्रैम्पोलिन पर कूदने तक, हर काम शरीर को अलग-अलग तरह से मदद करता है – ऊर्जा देता है, मन खुश करता है, और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। एक सेहतमंद, ज़्यादा जोश भरी ज़िंदगी के लिए इन सुझावों को अपनाएँ!



बेबी अनायाह पुनर्जीवित हुई

18 अक्टूबर 2024, शुक्रवार की रात करीब 10:30 बजे थी, जब ड्यूटी और किस्मत टकराई। प्रोटोकॉल डिपार्टमेंट में मिनिस्ट्री के एक वफ़ादार सदस्य, भाई रे फेनोमेनल अपनी पोस्ट पर थे, जब उनका फ़ोन बजा। दूसरी तरफ़ उनकी पत्नी थीं, उनकी आवाज़, हालांकि मौजूदा हालात को देखते हुए शांत थी, लेकिन उसमें ऐसी खबर थी जो कोई भी माता-पिता कभी नहीं सुनना चाहेंगे: उनकी नौ दिन की बच्ची, अनायाह , अब सांस नहीं ले रही थी। उस पल, समय मानो रुक गया हो। उनके पास शब्द नहीं थे, और उनका दिल थम गया। उनके साथी, भाई ब्रायन,



शब्दों की आनुवंशिकी

पैगंबर
यूबर्ट एंजेल द्वारा

और जानकारी के लिए पेज 32 देखें

जिन्होंने फ़ोन के स्पीकर से बातचीत सुनी, वे तुरंत बहुत सम्मानित पैगंबर यूबर्ट एंजेल के ऑफ़िस की ओर भागे। इससे पहले कि ब्रायन अपना वाक्य पूरा कर पाते, "पैगंबर, रे का बच्चा मर गया है..." पैगंबर ने, ईश्वरीय प्रेरणा से प्रेरित होकर, उनकी बात बीच में ही काट दी और कहा, "चुप रहो! वह बच्चा मर नहीं रहा है!"

उन शब्दों ने निराशा को चीरते हुए, विश्वास की तलवार की तरह माहौल को भेद दिया।

बिना किसी हिचकिचाहट के, पैगंबर ने अपनी मेज़ से अभिषेक करने वाले तेल (anointing oil) की एक बोतल उठाई और दरवाज़े की ओर तेज़ी से बढ़े। आगे बढ़ते हुए, उन्होंने उस बेजान बच्चे के लिए जीवन की घोषणा की और असंभव चीज़ को परमेश्वर की शक्ति के आगे झुकने का आदेश दिया।

फिर उन्होंने ब्रदर रे को तुरंत एम्बुलेंस बुलाने और घर पहुँचने पर बच्चे का तेल लगाने को कहा।

इस बीच, घर पर, पत्नी ने कुछ डरावना देखा - बेबी अनाया ने अपने मुँह और नाक से पॉटी करना शुरू कर दिया था, जो पूरी तरह से शरीर के काम करना बंद करने का संकेत था। बच्चे का शरीर बिना हिले-डुले और पीला पड़ गया था, ऐसा लग रहा था कि मौत ने अपना फ़ैसला लिख दिया है लेकिन स्वर्ग ने पैगंबर के वचन के ज़रिए पहले ही एक जवाबी हुक्म जारी कर दिया था: "वह बच्चा मर नहीं रहा है!"

ब्रदर रे एम्बुलेंस टीम के साथ घर पहुँचे। पैगंबर के निर्देश के अनुसार, उन्होंने उन्हें दिए गए तेल से बच्चे का धीरे से तेल लगाया। कुछ देर बाद, एक हल्की सी हलचल हुई, जहाँ मौत का राज था वहाँ ज़िंदगी की एक लहर दौड़ गई, फिर एक खाँसी, एक घुटन और एक चीख आई!
बेजान बच्ची हाँफते हुए वापस ज़िंदा हो गई जैसे स्वर्ग ने एक बार फिर उसके फेफड़ों में साँस भर दी हो। विश्वास ने आज्ञा का पालन किया, और ज़िंदगी ने जवाब दे दिया।

पैरामेडिक्स, हैरान लेकिन प्रोफेशनल, ने उसकी साँस की नली को सक्शन करना शुरू किया और उसे ऑक्सीजन पर रखा। एम्बुलेंस तेज़ी से हॉस्पिटल की ओर बढ़ी, सायरन ऐसे गूंज रहे थे जैसे कोई जंग जीतने के बाद तुरही बज रही हो।

हॉस्पिटल में, ड्यूटी पर मौजूद बच्चों के डॉक्टर को यकीन नहीं हो रहा था कि उन्होंने क्या देखा। एक बच्ची जिसने पॉटी की उल्टी की थी - एक ऐसी घटना जिसका मतलब पक्का मौत होना चाहिए था - ज़िंदा थी और सांस ले रही थी। शुरू में डॉक्टर को शक हुआ कि यह दूध उलटा हुआ है, लेकिन बच्ची के तौलिए पर असली पॉटी के दाग देखकर वह हैरान रह गए। टेस्ट किए गए। स्कैन किए गए। नतीजे आए - सब नॉर्मल। कोई नुकसान नहीं, कोई कॉम्प्लिकेशन नहीं, कोई मेडिकल वजह नहीं। ऐसी घटना से हर कोई हैरान था।

तीन दिनों तक, बच्ची अनाया को ऑब्ज़र्वेशन में रखा गया।

तीसरे दिन, उसने ऑक्सीजन देने वाले नेज़ल प्रोंग्स (नाक में लगी नली) को खींचना शुरू कर दिया, जो इस बात का संकेत था कि अब उनकी ज़रूरत नहीं है। वह खुद से ठीक तरह से सांस ले रही थी। जो एक दुखद घटना के तौर पर शुरू हुआ था, वह एक गवाही बन गया। जो अंत जैसा लग रहा था, वह इस बात का सबूत बन गया कि परमेश्वर आज भी मरे हुओं को जीवित करते हैं।

पैगंबर यूबर्ट एंजेल ने अपनी असीम करुणा और बिना शर्त प्यार के कारण, इलाज का सारा खर्च खुद उठाया।



ऐसे पलों में जब डर विश्वास पर हावी होने लगता है, तब पैगंबर के निर्देशों का पालन करना ही सफलता का ज़रिया बनता है। ब्रदर रे ने बाद में बताया कि एक पल के लिए उनका विश्वास डगमगाया था, लेकिन उन्होंने पैगंबर की बात पर मज़बूती से भरोसा बनाए रखा—क्योंकि उनका मानना था कि "एक पैगंबर का वचन ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है"—और उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के हर निर्देश का पालन किया, जैसा कि 2 इतिहास 20:20 (NET) में कहा गया है:
"अपने परमेश्वर पर भरोसा रखो और तुम सुरक्षित रहोगे! उसके पैगंबरों के संदेश पर विश्वास करो और तुम जीतोगे!"



विश्वास, आज्ञाकारिता और पैगंबर के वचन के ज़रिए, उस परिवार ने असंभव को ईश्वरीय शक्ति के आगे झुकते हुए देखा।

आज, बेबी अनाया जीवित, स्वस्थ और फल-फूल रही है—यह इस बात की एक शानदार याद दिलाता है कि पैगंबर यूबर्ट एंजेल के परमेश्वर आज भी हमारी पीढ़ी में चमत्कार करते हैं। सांसें थमने वाली खामोशी से लेकर खुशी भरी आवाज़ों तक, बेजान सन्नाटे से लेकर जीवन के गीत तक, बेबी अनाया की कहानी इस बात का सबूत है कि जब स्वर्ग बोलता है, तो मौत को हार माननी ही पड़ती है।

जो कोई भी मुश्किल दौर से गुज़र रहा है, वह याद रखे: प्रभु पर विश्वास करें और उनके पैगंबर पर भरोसा रखें। वही परमेश्वर जिन्होंने अनाया की सांसें लौटाईं, आज भी लोगों की कहानियाँ बदलने और उनकी किस्मत को फिर से संवारने का काम कर रहे हैं। यह सिर्फ़ एक गवाही नहीं है—यह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि परमेश्वर का वचन काम करता है, और विश्वास आज भी पहाड़ों को हिला सकता है।

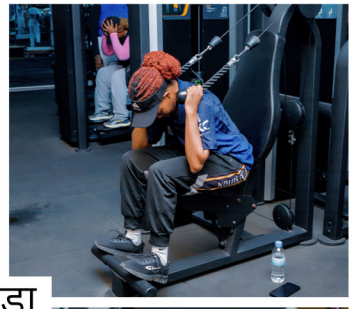
अंतरराष्ट्रीय फिटनेस और स्वास्थ्य दिवस











रवांडा






चीन

यह 'समय का संदेश' है, और हम इसे बर्बाद नहीं कर रहे हैं। हम ईश्वर की चंगाई की शक्ति से दुनिया को जोड़ रहे हैं, उन लोगों तक पहुँच रहे हैं जहाँ पहुँचना मुश्किल है, और लोगों के जीवन को छू रहे हैं।





नादी, फ़िजी






लाबासा और ड्रेकेती, फजि








गैबोरोन

4 अक्टूबर 2025 को, हीलिंग इंस्टीट्यूट ने अपना वार्षिक ग्लोबल फिटनेस और हेल्थ डे आयोजित किया, जिसमें 25 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने शारीरिक स्वास्थ्य, समग्र कल्याण और आध्यात्मिक संरेखण के शानदार उत्सव में भाग लिया। हरारे से हेलसिंकी, जोहान्सबर्ग से लंदन तक, स्पिरिट एम्बेसी की शाखाएं हैं।







दुनिया भर के लोग यह दिखाने के लिए एकजुट हुए कि स्वस्थ जीवनशैली एक जीवन जीने का तरीका और एक सेवा-कार्य, दोनों है।

इस साल का विषय था, "अपनी सेहत बदलें: ज़्यादा चलें-फिरें, फिट रहें!"। इसमें कई तरह के खेल, फिटनेस चुनौतियाँ और इंटरैक्टिव वेलनेस गेम्स शामिल थे, जिनसे हर उम्र और फिटनेस लेवल के लोग जुड़ सकें। जॉगिंग, साइकलिंग और एरोबिक्स से लेकर डांस वर्कआउट और टीम प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों ने इस दिन को जीवंत, सबके लिए खुला और मज़ेदार बना दिया।

शारीरिक गतिविधियों के अलावा, अलग-अलग शाखाओं ने न्यूट्रिशन वर्कशॉप, मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत और स्वस्थ जीवनशैली के डेमो आयोजित किए। इससे लोगों को इवेंट के बाद भी सेहतमंद रहने के लिए व्यावहारिक तरीके सीखने को मिले। वॉलंटियर्स और मेडिकल टीमों ने सुरक्षा, मार्गदर्शन और सहायता सुनिश्चित की। उन्होंने लोगों की बेसिक हेल्थ स्क्रीनिंग की और वेलनेस से जुड़ी सलाह दी, साथ ही सभी जगहों पर एक सहज अनुभव सुनिश्चित किया।

ग्लोबल फिटनेस एंड हेल्थ डे 2025 आध्यात्मिक प्रोत्साहन का मंच भी बना। पैगंबर यूबर्ट एंजेल ने ज़ोर दिया कि "हमारा शरीर ईश्वर का साधन है; इसकी देखभाल करना उनकी दिव्य योजना का सम्मान करना है"। लोगों ने न केवल अपनी शारीरिक सेहत में सुधार किया, बल्कि नई प्रेरणा, ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्साह भी महसूस किया। हज़ारों लोगों ने सोशल मीडिया और अपने समुदायों में अपनी सफलता की कहानियाँ साझा कीं।

इस इवेंट की पहुँच ने दिखाया कि सेहत की कोई सीमा नहीं होती। अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका और एशिया के लोग ऑनलाइन और ऑफलाइन, रियल-टाइम में शामिल हुए। इससे साबित हुआ कि हीलिंग इंस्टीट्यूट का शरीर, मन और आत्मा की सेहत के प्रति समर्पण सचमुच वैश्विक है।

ग्लोबल फिटनेस एंड हेल्थ डे 2025 सिर्फ़ एक इवेंट नहीं था—यह एक आंदोलन था। इसने हर जगह विश्वास रखने वालों को अपनी सेहत को प्राथमिकता देने, समग्र जीवनशैली अपनाने और अपने शरीर के ज़रिए ईश्वर का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। हीलिंग इंस्टीट्यूट दुनिया भर में अपने समुदाय को सशक्त बनाना जारी रखे हुए है और सबको याद दिलाता है कि जब आस्था और सेहत का मिलन होता है, तो बदलाव आता है।





एक्ज़मिा रातों-रात गायब हो गया

मैंने एक साल से अधकि समय तक एक्ज़मिा का सामना कयिा, दैनकि दवा पर नरि्भर रही ताकि लगातार खुजली को नयिंत्रति कर सकूँ और रैश को लंबी आस्तीन के नीचे छपिा सकूँ, रातें गर्मी के कारण असहनीय थीं। लेकनि प्रोफेट द्वारा मेरे लिए प्रार्थना कए जाने के बाद सब कुछ बदल गया – अगली सुबह मैं खुजली की तलाश में उठी, और वह जा चुकी थी। रैश पूरी तरह से गायब हो गया था, जसिसे मुझे साफ त्वचा और राहत और आत्मवशि्वास की एक बहाल भावना मलिी।

"मैं क्यों नहीं?"

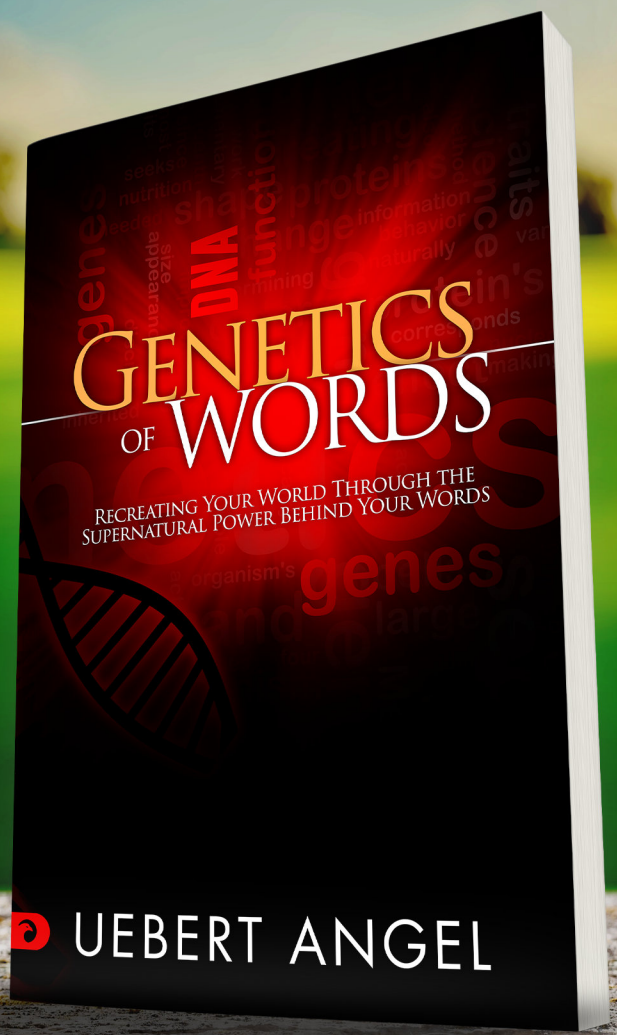
71 साल की उम्र में, फजिी की पु रगिी ने चुपचाप अपने बाएं स्तन में बढ़ती गांठ का बोझ उठाया था। अपने बच्चों को बताने के बाद, उन्होंने बार-बार उन्हें चकित्सिकीय सहायता लेने के लिए प्रोत्साहति कयिा, लेकनि उनके दलि की गहराइयों में, उनका एक अलग वशि्वास था। उन्हें वशि्वास था कि वह जसि अनुग्रह के तहत रहती थीं, प्रोफेट यूबर्ट एंजेल का अभषिेक उनके लिए पहले से ही बोल रहा था, इससे बहुत पहले कि कोई डॉक्टर उन्हें देख पाता। तंजानयिा में चंगाई सम्मेलन के दौरान, जसिका सीधा प्रसारण कयिा गया था, पु ने परमेश्वर की शक्ति को देखा। उसने अपने जैसी स्थति वाले लोगों को एक के बाद एक ठीक होते देखा। फरि एक महलिा ने स्तन की गांठ के बारे में गवाही दी जो पूरी तरह से गायब हो गई थी। उस क्षण, पु के अंदर कुछ प्रज्वलति हुआ। उसने सोचा, "अगर परमेश्वर यह उसके लिए कर सकते हैं, तो मैं क्यों नहीं?"

अटूट वशि्वास के साथ, उसने अपने सीने से बात की, अपने शरीर पर चंगाई की घोषणा की



आज, पु आनंदपूर्वक गवाही देती है कि गांठ पूरी तरह से गायब हो गई है। जो बात कभी चंता का कारण थी, वह बनिा कसिी नशिान के गायब हो गई है। उसके शब्द अब आत्मवशि्वास और आभार के साथ गूंजते हैं: "मैं ठीक हो गई हूँ।" परमेश्वर की जय हो!!!

GENETICS OF WORDS





“ज़बान की ताक़त आपके शब्द हैं, आपकी वो काबलियित जसिसे आप अपनी बातों से चीज़ों को हक़ीकत में बदल सकते हैं।”

आपकी अभी की ज़िंदगी आपके कहे गए शब्दों का नतीजा है, और आप अपने शब्दों से ही अपनी ज़िंदगी की दशिा तय करते हैं।

ईश्वर की आवृत्ति

भगवान ने आपको जो सबसे ज़रूरी चीज़ दी है, वह है शब्द। उन्होंने आपको मुक्ति देने से पहले शब्द दिए, और जो कुछ भी आपके पास है या आपको उनसे मलिेगा, वह सब शब्दों पर ही आधारति है। शब्दों के बनिा, आप मुक्ति नहीं पा सकते क्योंकि मुक्ति आपको शब्दों के ज़रिए ही मलिती है और शब्दों से ही स्वीकार की जाती है। यही बात आपकी चंगाई (बीमारी से ठीक होने) पर भी लागू होती है। बाइबल हमें बताती है कि मुक्ति पाने के लिए, आपको प्रभु का नाम पुकारना होगा:

रोमयिों 10:13
क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम पुकारेगा, वह उद्धार पाएगा।

लेकनि उस प्रक्रयिा पर ध्यान दें जो इसे संभव बनाती है:

रोमयिों 10:14
तो फरि वे उसे कैसे पुकारेंगे जसि पर उन्होंने वशि्वास नहीं कयिा? और
वे उस पर कैसे वशि्वास करेंगे जसिके बारे में उन्होंने सुना ही नहीं? और बनिा प्रचारक के वे कैसे सुनेंगे?

मुक्ति की बात आप तक शब्दों के ज़रिए पहुँचती है, और फरि अपने शब्दों से आप उसे स्वीकार करते हैं। रोमयिों अध्याय 10 में धर्मग्रंथ यही कहता है:

रोमयिों 10:8-10
8. लेकनि यह क्या कहता है? "वचन तुम्हारे पास है, तुम्हारे मुँह में और तुम्हारे दलि में" (यानी वशि्वास का वह वचन जसिका हम प्रचार करते हैं):
9. कि यदि तुम अपने मुँह से प्रभु यीशु को स्वीकार करते हो और अपने दलि में वशि्वास करते हो कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जलिाया है, तो तुम उद्धार पाओगे।
10. क्योंकि दलि से वशि्वास करने पर धार्मकिता मलिती है, और मुँह से स्वीकार करने पर उद्धार मलिता है।

क्या आप यह देख पा रहे हैं? आप वे शब्द सुनते हैं जो आप तक मुक्ति का संदेश पहुँचाते हैं, फरि आप उस मुक्ति में अपने वशि्वास को ज़ाहरि करते हुए शब्द बोलते या स्वीकार करते हैं। यही वह तरीका है जो परमेश्वर ने हम सभी के लिए मुक्ति पाने के लिए तय कयिा है। यह शब्दों का तरीका है। परमेश्वर इसी तरह काम करते हैं: वे अपने वचिारों, इरादों, इच्छा और वादों को बताने के लिए शब्द बोलते हैं।

रचनात्मक शब्द

परमेश्वर बोलने वाले परमेश्वर हैं, और जब वे कोई शब्द बोलते हैं, तो उस शब्द में वह चीज़ पैदा करने की क्षमता होती है जिसके बारे में वह शब्द कहता है। उनके शब्दों में रचना करने की शक्ति है, और उन्होंने हमें भी वैसी ही शक्ति दी है कि हम ऐसे शब्द बोल सकें जिनसे कुछ नया बने। उन्होंने अपने वचन में हमें बताया है कि हमारे शब्द—हम जो भी शब्द बोलते हैं—कुछ न कुछ बनाते या पैदा करते हैं।

नीतिवचन 18:21
जीभ के वश में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं: और जो लोग उससे प्रेम करते हैं, वे उसका फल भोगेंगे।

जीभ की शक्ति आपके शब्द हैं, यानी आपकी वह क्षमता जिससे आप बातों को हकीकत में बदल सकते हैं। आपकी आज की ज़िंदगी आपके बोले गए शब्दों का नतीजा है, और आप अपने शब्दों से ही अपनी ज़िंदगी की दिशा तय करते हैं। याकूब जीभ की तुलना उन चीज़ों से करते हैं जिनसे किसी चीज़ की दिशा बदली जाती है। वे जीभ की तुलना घोड़े की लगाम में लगी 'बिट' (मुँह में रहने वाली धातु की छड़) से करते हैं।

याकूब 3:3
देखो, हम घोड़ों के मुँह में लगाम (बिट) डालते हैं ताकि वे हमारी बात मानें; और हम उनके पूरे शरीर को घुमा सकते हैं।

'बिट' एक छोटा सा उपकरण होता है जो लगभग पाँच इंच लंबा होता है और घोड़े की लगाम से जुड़ा होता है। 'बिट' लगाम का वह हिस्सा है जो घोड़े के मुँह के अंदर जाता है। घोड़े कोई छोटे-मोटे जीव नहीं होते। एक पूरी तरह से बढ़े हुए घोड़े का वज़न औसतन 500 किलोग्राम (1200 पाउंड से ज़्यादा) हो सकता है। फिर भी, यह छोटी सी 'बिट' घोड़े की रफ़्तार और चलने की दिशा को नियंत्रित कर सकती है।

याकूब जीभ की तुलना जहाज़ के पतवार (रडर) से भी करते हैं।

याकूब 3:4-5a
4. जहाज़ों को भी देखो, वे कितने बड़े होते हैं और तेज़ हवाओं से चलते हैं, फिर भी उन्हें एक बहुत छोटे पतवार से घुमाया जा सकता है, जिधर भी चलाने वाला चाहे।
5. ठीक वैसे ही जीभ भी एक छोटा सा अंग है, और बड़ी-बड़ी बातें करती है।

एक जहाज को किसी भी नाव के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जो 60 मीटर (लगभग 200 फीट) से अधिक लंबी होती है और जिसका वजन 500 टन से अधिक होता है। एक जहाज का पतवार जहाज से अतुलनीय रूप से छोटा होता है लेकिन इसका उपयोग विशाल आकार के जहाज को चलाने के लिए किया जाता है। अपनी जीभ से, विशेष रूप से अपने शब्दों से, आप अपने जीवन की दिशा तय करते हैं या उसका मार्ग प्रशस्त करते हैं। एक भविष्यवक्ता के रूप में, मेरे शब्द मेरी सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

हो सकता है कि आप भविष्यवक्ता न हों, लेकिन एक ईसाई के रूप में, आपको यह पहचानना चाहिए कि शब्द भी आपकी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। शब्द आपको इसलिए दिए गए हैं ताकि आप अपने जीवन की बागडोर संभाल सकें और अपने जीवन को उस दिशा में ले जा सकें जिस दिशा में आप ले जाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर, ईसाइयों ने अपने लाभ के बजाय अपने नुकसान के लिए बातें कही हैं।

एक महिला अपने डॉक्टर के पास शिकायत करने गई कि उसे हर समय गर्मी लगती है। डॉक्टर ने सभी प्रकार के परीक्षण किए और यह पता लगाने की कोशिश की कि समस्या का कारण क्या है। प्रत्येक नैदानिक परीक्षण नकारात्मक आया। लेकिन महिला से परामर्श करते समय डॉक्टर को एक बात नज़र आई। महिला कहती रही, "मैं जल रही हूँ!" चूँकि परीक्षणों से उसकी समस्या का कोई चिकित्सीय कारण सामने नहीं आया, डॉक्टर ने उसे एक सरल सुझाव दिया: शायद आपको यह कहना बंद कर देना चाहिए, "मुझे जलन हो रही है!" परेशान होकर और कोई अन्य सहारा न रह जाने पर महिला ने इसे आज़माने का फैसला किया।

हर बार वह कहने लगती, "मैं जल रही हूँ!" वह खुद को पकड़ लेती और कहती, "मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।" जैसे ही उसने ऐसा करना जारी रखा, कुछ ही हफ्तों में उसका उच्च तापमान सामान्य हो गया, और गर्म चमक पूरी तरह से बंद हो गई। ऐसा कैसे हो सकता है? क्या यह महिला यह कहकर झूठ बोल रही थी कि वह अच्छी है? नहीं बिलकुल नहीं! वह एक ऐसे सिद्धांत को सक्रिय कर रही थी जिसका उपयोग भगवान स्वयं करते हैं।

बाइबिल कहती है:
रोमियों 4:17 (जैसा लिखा है, कि मैं ने तुझे बहुतोंका पिता ठहराया, जिन पर उस ने विश्वास किया, अर्थात् परमेश्वर, जो मरे हुओं को जिलाता, और उन वस्तुओं को बुलाता है)

जो चीज़ें अभी मौजूद नहीं हैं, उनके बारे में ऐसे बात करना जैसे वे मौजूद हों [ज़ोर दिया गया]।

ध्यान दें, इसमें यह नहीं कहा गया है कि हमें उन चीज़ों के बारे में बात करनी चाहिए जो मौजूद हैं, पर ऐसे बात करें जैसे वे मौजूद न हों। इसमें कहा गया है कि अगर हम परमेश्वर की तरह काम करना चाहते हैं, तो हमें उन चीज़ों के बारे में ऐसे बात करनी चाहिए जो अभी मौजूद नहीं हैं, पर ऐसे बात करें जैसे वे मौजूद हों। उस महिला ने यह नहीं कहा कि उसे गर्मी नहीं लग रही थी; उसने कहा कि उसे ठंडक महसूस हो रही थी। उसने उन चीज़ों के बारे में ऐसे बात की जैसे वे मौजूद हों, जबकि वे असल में मौजूद नहीं थीं। आपको अपनी बीमारी के बारे में बात करने की ज़रूरत नहीं है। आपको अपनी चंगाई के बारे में बात करने की ज़रूरत है। आपको इस बारे में बात करने की ज़रूरत नहीं है कि आप कितने कंगाल हैं। इसके बजाय, इस बारे में बात करें कि मसीह ने आपको कितना अमीर बनाया है।

आप देख सकते हैं कि जैसे-जैसे वह महिला बोलती गई, उसके शब्दों का असर उसके अपने शरीर पर हो रहा था। यही वह सिद्धांत था जिसे उसने नकारात्मक रूप से तब अपनाया था जब वह लगातार कहती रहती थी कि वह "जल रही है।" जब उसने अपने शब्दों का सकारात्मक इस्तेमाल किया, तो उनका उसके शरीर पर सकारात्मक असर हुआ।

कचरा आया कचरा गया

कंप्यूटर विज्ञान में, एक प्रसिद्ध अभिव्यक्ति है: गारबेज इन, गारबेज आउट (जीआईजीओ)। इसका मतलब है कि आपके द्वारा इनपुट किए गए कोड की गुणवत्ता आउटपुट की गुणवत्ता निर्धारित करेगी। यह कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के बारे में सच है, और यह आपके लिए भी सच है। जैसे आपके शब्द चलते हैं, वैसे ही आपका जीवन चलता है। देखिये, दुनिया के अब तक के सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक, सोलोमन ने शब्दों के बारे में क्या कहा:

नीतिवचन 8:8
मेरे मुँह के सब वचन धर्म से हैं; उनमें कुछ भी अव्यवस्थित या विकृत नहीं है।

सरल शब्दों में, बकवास मत करो! आप में से कई लोगों को बकवास करना बंद करना मुश्किल हो सकता है क्योंकि आपने खुद को लंबे समय से बकवास के साथ प्रोग्राम किया है। उस महिला की तरह जो जल रही थी, उसके लिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं था कि मैं जल रही हूं। उसे उन शब्दों को दूसरे शब्दों से बदलना पड़ा जिससे वह परिणाम मिले जो वह चाहती थी। तुम्हें भी वैसा ही करना होगा.

आस्था के शब्द

आप शब्दों से बने हैं। इसीलिए हर दिन परमेश्वर के वचन से अपनी आत्मा को पोषण देना ज़रूरी है। आपकी आत्मा को वचन से वैसे ही पोषण मिलता है जैसे आपके शरीर को प्राकृतिक भोजन से मिलता है। केनेथ ई. हेगिन ने एफ.एफ. बॉसवर्थ का हवाला देते हुए कहा, "ज़्यादातर ईसाई अपने शरीर को दिन में तीन बार गरम खाना खिलाते हैं और अपनी आत्मा को हफ्ते में एक बार ठंडा नाश्ता देते हैं। और फिर वे सोचते हैं कि वे विश्वास में इतने कमज़ोर क्यों हैं।" उन्हें खुश करने के लिए आपको विश्वास की ज़रूरत है। असल में, विश्वास के बिना परमेश्वर को खुश करना नामुमकिन है। इसलिए, चंगाई पाने और ईश्वरीय स्वास्थ्य में जीने के लिए आपको विश्वास की ज़रूरत है!

इब्रानियों 11:6a
लेकिन विश्वास के बिना उन्हें खुश करना नामुमकिन है।

विश्वास ही आपको परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी (तरंग) से जोड़ता है। जब वे बोलते हैं, तो उनके शब्द विश्वास से भरे होते हैं। अगर आप उनकी फ्रीक्वेंसी पर बात करना चाहते हैं, तो विश्वास ज़रूरी है।

यीशु परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी पर बात करने में माहिर थे। अगर आप ध्यान दें कि पृथ्वी पर रहते हुए यीशु—जो एक यहूदी के शरीर में परमेश्वर थे—कैसे बोलते थे, तो आप देखेंगे कि वे सरल और विश्वास से भरे शब्द बोलते थे जिनसे हर बार नतीजे मिलते थे। उनका एक भी शब्द बेकार (व्यर्थ) नहीं होता था। उन्हें पता था कि उनके शब्द आत्मिक दुनिया में किसी चीज़ को जीवन दे रहे हैं।

इसीलिए उन्होंने कहा:

यूहन्ना 6:63b
जो शब्द मैं तुमसे कहता हूँ, वे आत्मा हैं और वे जीवन हैं।

जब भी वे अपना मुँह खोलते थे, उन्हें पता होता था कि उनके शब्द कुछ न कुछ पैदा कर रहे हैं। चाहे वे किसी सूखे हुए अंग से बात कर रहे हों, या पेड़ की जड़ों से, या उस महिला से जिसे रक्तस्राव की बीमारी थी, उन्हें पता था कि उनके शब्द चीज़ों को बदल रहे हैं, DNA में बदलाव ला रहे हैं। हमें भी यही समझ होनी चाहिए। असल में, वे हमें बताते हैं कि अगर हम विश्वास से भरे शब्द बोलें, तो सब कुछ मुमकिन है।

> शब्द इस ब्रह्मांड की सबसे शक्तिशाली चीज़ें हैं! आप जो शब्द बोलते हैं, वे या तो आपको जीवन में आगे ले जाएँगे या फिर आपको बंधन में जकड़ लेंगे।

मरकुस 11:23
मैं सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहेगा, 'हट जा और समुद्र में जा गिर', और अपने मन में शक नहीं करेगा, बल्कि विश्वास करेगा कि जो वह कहता है वह हो जाएगा, तो उसे वही मिलेगा जो वह कहता है।

यह अद्भुत है!

प्रभु हमें बता रहे हैं कि जो व्यक्ति विश्वास से भरे शब्द बोलेगा, उसे वही मिलेगा जो वह कहता है।

वैज्ञानिकों ने साबित किया है कि DNA की एक फ्रीक्वेंसी होती है जिससे आप बातचीत कर सकते हैं। ज़रूरी बात यह है कि आपको उसी फ्रीक्वेंसी पर होना चाहिए। हो सकता है कि वैज्ञानिकि अभी तक पूरी तरह से यह न समझ पाए हों कि 'परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी' लैब में देखी जा सकने वाली किसी भी फ्रीक्वेंसी से कहीं ज़्यादा बेहतर है। उसी बेहतर फ्रीक्वेंसी से हम अपने आस-पास की हर चीज़ से बातचीत कर सकते हैं। विश्वास परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी है। जब आप उनसे बात करते हैं, तो आपको उनकी फ्रीक्वेंसी पर होना चाहिए। जब आप विश्वास के साथ अपने शरीर, अपने पैसे-कौड़ी या किसी भी मुश्किल हालात पर परमेश्वर का वचन बोलते हैं, तो आप परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी से बातचीत कर रहे होते हैं। आपके अंदर और आपके आस-पास की हर चीज़ परमेश्वर के वचन की फ्रीक्वेंसी पर प्रतिक्रिया देने के लिए बनी है, क्योंकि उसी फ्रीक्वेंसी से सब कुछ बनाया गया था।

इब्रानियों 11:3
विश्वास से हम समझते हैं कि दुनिया परमेश्वर के वचन से बनाई गई थी, ताकि जो चीज़ें दिखाई देती हैं, वे उन चीज़ों से नहीं बनीं जो दिखाई देती हैं।

जब आप विश्वास से भरे शब्द बोलते हैं, तो आप किसी भी रुकावट को हटा सकते हैं क्योंकि भौतिक दुनिया में सब कुछ अस्थायी है और बदल सकता है
(देखिए 2 कुरिन्थियों 4:18)।

यीशु ने इसे बहुत साफ़ तौर पर कहा था:

मत्ती 17:20b
अगर तुममें राई के दाने जितना भी विश्वास हो, तो तुम इस पहाड़ से कहोगे कि यहाँ से हटकर वहाँ चला जा; और वह हट जाएगा; और तुम्हारे लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा।

जब आप विश्वास की इस फ्रीक्वेंसी पर बात करते हैं, तो कुछ भी असंभव नहीं होता। आप अपने शरीर को चंगाई का आदेश दे सकते हैं, और वह उस पर प्रतिक्रिया करेगा। प्रभु यीशु ठीक यही सिखा रहे थे जब उन्होंने कहा कि आप जो कहते हैं, वह आपको मिल सकता है। जब आप विश्वास से भरे शब्द बोलते हैं, तो आप परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी से जुड़ रहे होते हैं।

गॉड फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल करना

अब जब आप जानते हैं कि विश्वास ही परमेश्वर की फ्रीक्वेंसी (God-frequency) है, तो आप नतीजे पाने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं? इब्रानियों के लेखक ने इसे इस तरह कहा है:

इब्रानियों 10:23
आइए हम अपने विश्वास की बात को बिना डगमगाए मज़बूती से थामे रहें; (क्योंकि जिसने वादा किया है, वह सच्चा है।)

इसका सीधा सा मतलब यह है कि परमेश्वर ने आपके जीवन के बारे में जो कुछ भी कहा है, आप खुलकर उसे बोलकर उनसे सहमत हों। उदाहरण के लिए, अगर परमेश्वर कहते हैं कि आप ठीक हो गए हैं, तो आप अपना मुँह खोलें और यह कहते रहें कि आप ठीक हो रहे हैं। अगर वह आपसे कहते हैं कि आप ठीक हो गए हैं, तो आप घोषित करें कि आप ठीक हो गए हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि अगर डॉक्टर ने आपकी सेहत के बारे में कोई नेगेटिव रिपोर्ट दी है, तो आप असलियत (facts) को नकार रहे हैं। नहीं। आप बस असलियत को यह अधिकार नहीं दे रहे हैं कि वह तय करे कि आपके जीवन में क्या होगा। अपनी सेहत के बारे में परमेश्वर के वचन को बोलकर, आप सच को मान रहे हैं, और सच असलियत से ज़्यादा ताकतवर होता है। अपने विश्वास की बात पर डटे रहें। उसे बदलें नहीं। आप अपनी शारीरिक इंद्रियों से जो कुछ भी देखते, सुनते या महसूस करते हैं, उसके बावजूद मज़बूती से खड़े रहें और निडर होकर घोषित करें कि परमेश्वर का वचन आपके बारे में क्या सच कहता है।

हमसे जुड़ें और इस शानदार मौके का फ़ायदा उठाएँ
ईश्वर और दिव्यता के साथ साझेदारी
के साथ साझेदारी करें
हीलिंग इंस्टीट्यूट
WWW.HEALINGINSTITUTE.ORG/PARTNER
पार्टनर अभी



क्या आप यीशु को जानते हैं?

हम आपको इस प्रार्थना को करके यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

"हे प्रभु परमेश्वर, मैं यीशु मसीह के नाम से आपके पास आता हूँ। मैं पूरे दिल से यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ, जो जीवित परमेश्वर के पुत्र हैं। मेरा विश्वास है कि वे मेरे लिए मरे और आपने उन्हें मरे हुओं में से जिलाया। मेरा विश्वास है कि वे आज जीवित हैं। मैं अपने मुँह से स्वीकार करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन के प्रभु हैं। उनके द्वारा और उनके नाम में, मुझे अनंत जीवन मिला है। मेरा नया जन्म हुआ है! मेरी आत्मा को बचाने के लिए धन्यवाद, प्रभु! अब मैं परमेश्वर की संतान हूँ। हालेलुयाह!"

बधाई हो! अब आप परमेश्वर की संतान हैं।

मुक्ति हमारी प्राथमिकता है

हमसे चैट करें
WWW.HEALINGINSTITUTE.ORG

हीलगि इंस्टीट्यूट
पैगंबर यूबर्ट एंजेल के साथ

का पालन करें और हमसे जुड़ें सोशल पर

@healinginstituteofficial

@healinginstituteofficial

@healinginstitu

@healinginstituetv

Healing Institute of Spirit Embassy



HEALINGINSTITUTE.ORG पर और जानें।